Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीमान्

लाला बाल लाल जी राज

कुमार जी, जय शङ्कर। सर्वतः कुशल

मस्तु। अभी आपका पत्र मिला आपने

सौभाग्य कांक्षिरानी कुमारी अर्थात्

उस लड़की का नाम नहीं लिखा है

इस मुहूर्त कैसे बनाया जाय. कृपया

और इतनी गाड़ी से नाम लिखकर

भेजें। "श्री जी" होतो साद

साक्षात् प्रकाश में लिवे दत्तकरे

गत कल रात को ही पत्र लिखा है

मिला होगा। शेष कुशल

भवदीय ... मिश्र ... लिख

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पोस्ट-कार्ड

केवल पता

NEW DELHI

DELY

2 ...57

4 30 PM

श्रीमान्

नाम बाँकेलाल राजकुमार अग्रवाल

पता १२ रैजीना प्रेस

डाकखाना बिरला मन्दिर के सामने

ज़िला नई दिल्ली

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सायं ५॥ बजे श्री। चौबुर्जी - भरतपुर
मेषसंक्रान्ते १३-४-७२

अनन्त श्री सर्वतन्त्र स्वतन्त्र
आपका सर्वदा जय जयकार हो।
सर्वत्र कुशलमस्तु। अभी १ घण्टा पूर्व पत्र मिला प्रसन्नता हुई। मैं आपके पधारने की प्रतीक्षा में हूं पधारिये। जैपुर से श्री लाला गिरिराजशरणजी का पत्र आया है वे आपके जैपुर पधारने की प्रतीक्षा में हैं। श्री दुर्गादत्तजी का भी पत्र आया है, दोनों ही पत्रों में प्रणाम लिखने को लिखा है। नालागढ़ से श्री सूर्यमणिजी का पत्र आया है। एक पत्र काशी से आया है। श्री पं० वलजिन्नाथ जी शिमला से पत्र आया है। उन्हें आप यहां आकर देख ही लेंगे इसीलिये डाक से नहीं भेज रहा हूं। शेष कुशल है।

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीलाला कस्तूरीलालजी के भी पिता
जी आदि सभी परिवार को जयशंकर।
श्री पं० श्रीनाथजी तिक्कू को भी
सादर जयशंकर कहें। गोविन्द:

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

अनन्तश्री "श्री" जी
c/o
श्रीमान् लाला कस्तूरीलालजी अरोड़ा
आनन्द भवन
सी. 3 एन-एच- 4
फरीदाबाद N.I.T.
(हरियाणा)

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भवानू २ वन्दे श्री | ...
२५-११-७२

श्रीमान्
अशोक कुमारजी | जयशङ्कर का |
सर्वत्र कुशलमस्तु | अभी २ आपका २४-११-७२ कार्ड मिला, प्रसन्नता हुई | उत्तरमें निवेदन है कि मैं ता. ३०-११-७२ को पहाड़गंज दिल्ली एक बरातमें आरहा हूं | उससमय मैं आपको "श्री" जी से मिलूंगा | सब बातें प्रत्यक्षमें होजायेंगी | वैसे मेरे विचारसे मार्गशीर्ष शुक्ल २ गुरुवार ता. ७-१२-७२ को यहांसे बरेली यात्राका दिन शुभ रहेगा | यदि मुझे देहली होकर बरेली चलनेकी आज्ञा होगी तो मैं इस दिन जनता ट्रेनसे यहांसे दिल्ली आजाऊंगा | और फिर वहांसे जैसे २ आज्ञा होगी वैसा २ कियाजावेगा |

करुणा सिन्धु भगवानके चरणोंमें मेरे

...mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang...

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री क. क. आनन्द तथा आपके
परिवारमें भी सबको जयश्रीकृष्ण कहें
शेष कुशल है।
गोविन्द!

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्रीमान
अशोक कुमारजी आनन्द
एफ.१८३ मानसरोवर गार्डन
नई दिल्ली १५
F-183 MANSROWER GARDEN
N. Delhi - 15

10 P INDIA 10 P

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

अनन्त श्री करुणासिन्धु "श्री" जी महाराज। सादर कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हो। सर्वतः कुशलमस्तु। आदेशानुसार ता. २३-१०-७२ को जैपुर गया। श्री शरमा जी दिल्ली गये थे। ता २४ को वे दिल्ली से रुककर ता. २५ को जैपुर आये। और २५ की रात्रि को मुझे अनावरोध्य हो गया अतः इच्छा होते हुए भी वह कार्य इस दिन न हो सका। ता. २६ को कार्य सम्पन्न कर ता. २७ को सीट रिजर्व कराकर रेल द्वारा घर आया। अब स्वस्थ हूँ चिन्ता की कोई बात नहीं है। ता. ४ को गोवर्धन गया। ता. ५ को महालक्ष्मी पूजन से पूर्व ही म.म. सेन तार बातों में उन्हें मुझसे असन्तोष सा हो गया और वे बिना पूजा किये ही दिल्ली चले गये। अस्तु भगवदिच्छा॥ चिन्ता की कोई बात नहीं है। संभवतः मैं शीघ्र दिल्ली आऊं क्योंकि त्रिवेणी का उद्यापन का विचार चल रहा है देवोत्थापनी एकादशी का विचार है। इनके पत्र आ चुके हैं मेरे पत्र का उत्तर अभी नहीं आया है न जाने उन्हें मिला या नहीं उनके पत्र की प्रतीक्षा है। बोरेलाल जी (बराना) ता. ३ को मुझे मिले थे सम्भवतः आज सायंकाल तक फिर मिलें, अभी महाराज जी मनोहरलाल ने फोन नहीं दिया है। अब १।२ दिन में देने की आशा है। आप अंग्रेजी वाला "प्रभो! शम्भो!" का पर्चा शीघ्र भिजवायें। चि. चरणी ता. ४ से आया है आज वापिस नरवर जा रहा है। उसने

[illegible]

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible] ... मुख्य शाखा जी,
शास्त्री, धर्मेश्वर आदि सभी के प्रणाम ज्ञात हों। श्री
लाला कस्तूरीलालजी के परिवार में उनके श्री पिताजी
आदि सभी को यथोचित जय शङ्कर ज्ञात हो। आगामी
प्रोग्राम तथा पता अवश्य लिखें। स्वास्थ्य के लिये
भगवान मृत्युञ्जय शीघ्र सुधारें यह प्रार्थना है।
[illegible]जी भी मुझसे कुछ तबसे प्रसन्न से नहीं प्रतीत होते
हैं। श्री कस्तूरीलालजी ने चि. बल्लो (कैलाश) के बारे में
कुछ नहीं सोचा है ये पत्रोत्तर भी नहीं देते हैं न सब पत्र तथा
उनका ब्यौरा आपको बताते हैं। यह शिकायत संभवतः
इनसे रहेगी हो। जय जय रामजी, [illegible] वालों से भी
कोई पत्र नहीं आया है। आपका - गोविन्द:

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

"श्री" जी
C/O
बाबू श्री कस्तूरीलालजी "आनन्द"
आनन्द भवन सी. ३ एन. एच
फरीदाबाद टाउनशिप
(हरियाणा)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अनन्त श्री विभूषित श्री पाद पद्मों में दासानुदास के कोटिशः साष्टांग प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशल मस्तु। गत शुक्र या शनि को १५०) रु. का श्री पं० हरीरामजी का मनी आर्डर मिल चुका है, तथा आज श्री पं० सन्तरामजी का १४०) रु. का मनी आर्डर मिल चुका है। वैसे तो मैं दोनों को ही पत्र लिख रहा हूं परन्तु सम्भव है श्री हरीरामजी को मेरा पत्र नहीं मिले क्योंकि उनका पता स्पष्टाक्षरों में नहीं है। श्री हरिरामजी ने यह भी लिखा है कि उन्हें २ मास से तनख्वा नहीं मिली है मिलने पर शेष भेजेंगे। सम्भवतः श्री पारखजी पधारे होंगे। उनसे आगे का क्या प्रोग्राम निश्चित हुआ। आपका स्वास्थ्य अब कैसा है। श्री लखोजी कहते हैं कि जो सर्वशक्तिमान् हैं उनके स्वास्थ्य की यह चिन्ता यह कैसी विचित्र बात है वे चाहें तो क्षण भर में संसार इधर उधर हो सकता है यह तो उनकी लीला है। श्री पुरोहितजी कहते हैं कि उन्हें कुछ दिन से यह चिन्ता हो गई है यह मासिक क्यों से हटनी चाहिये और कोई बात नहीं है। और अभी

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री [illegible]जी, [illegible]

कुमारी, श्रीमामाजी, श्रीवैद्यजी, श्री मास्टरजी

श्रीराजकुमारजी, श्री पं० नित्यानन्दजी श्री पं०

[illegible]जी आदि सभी को यथोचित जयशंकर कहें।

श्री पं० विद्याधरजी पुरो० श्री [illegible]जी,

श्री पं० योगेन्द्रजी, श्री पं० मद[illegible]जी

श्री ज्योतिषीजी आदि सभी को प्रणाम ज्ञात हो।

श्रीवेदपाठीजी का अति [illegible] के कारण घर गया है

वे कहते हैं कि वर्षकृत्य दीपिका में स्पष्ट निर्णय है कि आगामी

आश्विनमास में दीपावली होनी चाहिये। [illegible]

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मरकुज़ – [illegible]

दिनांक २०-५-६५

श्रीमान् लाला रतन लाल जी

सस्नेह नमस्कार।

जबसे अनन्त श्री "श्री" जी यहाँसे पधारे है। कोई कुशल पत्र नहीं आया। अतः तत्काल कुशल पत्र दें। यहाँ के विशेष समाचार यह है कि मेरे चिरायु आनन्द कैलाश-चन्द्र (बल्लो) की सगाई १४-५-६५ को होगई है और विवाह ३०-६-६५ को होगा। निश्चित हुआ है पर उन्हें निवेदन कर देना। हम सबकी ओर से कोटिशः प्रणाम निवेदन करें। तथा बधाई दें। यह सब उन्हीं की चरणकृपा का फल है।

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आगे भी उन्हीं को
धारावाहिक पर स्वामित्व
है। मेरा स्वास्थ्य इन
दिनों अत्यधिक गर्मी होने
से ढीला ही चल रहा है।
D.N. पण्डित का तबादला
कहाँ पर हुआ है (बतावें)
आपके परिवार सहित सभी को
नमस्कार कहियेगा।
आपका - गोविन्द।

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत INDIA 15 पै.

श्री मान्
लाला रतन लाल जी अग्रवाल
C-33
जंगपुरा एक्सटेन्शन
नई दिल्ली १४

पिन PIN

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:। चौबुर्जा- भरतपुर २१-२-

श्रीमान्
लाला कानूरीलालजी, जयशंकर। सर्वत: कुशलमस्तु
पत्र मिला प्रसन्नता हुई। अनन्त श्री "श्री" जी महाराज के
चरणारविन्दों में कोटिश: प्रणाम निवेदन करें। सभी लोगों
की यह धारणा है कि श्रीबाबा महाराज पधारें तो सब ठीक हो जाय,
आदेशानुसार दुग्धादि सब प्रबन्ध हो जायगा।
जोधपुर से गत कल श्री दुर्गाजी का पत्र आया है वे प्रतीक्षा में हैं
उन्होंने अपने प्रणिपात लिखने को लिखा है। आपके
सभी पारिवारिक जनों के यथोचित जयशंकर कहें।

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delh

हां से सभी के प्रणाम आशीर्वाद
लकों में निवेदन करें।
गोविन्द:

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

श्रीमान्
लाला कस्तूरीलाल जी आनन्द
5. C. 2
फरीदाबाद

पिन PIN

23.2.76

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री ॥

[illegible]

श्रीमान् लाला रतनलाल जी

जयशंकर

सर्वत्र कुशलमस्तु । पत्र मिला इतनी प्रसन्नता हुई कि आज दिन अत्यधिक प्रसन्नता में बीता ऐसा दिन बहुत दिनों में मिला वर्तमान में आपत्तिकालीन स्थिति चल रही है पत्रलेखक (लखन) हम तीनों भैयों पर चाचा जी के मुकदमे चल ही रहे हैं 26-11/65 से मेरे बड़े भ्राता कैलाश (बल्लो) जी की अकस्मात् मानसिक स्थिति बिगड़ गई एवं मस्तिष्क विकृत हो गया पूर्वापेक्षा अब कुछ शान्ति है । दिनाङ्क 7 दिसम्बर को बल्लो जी सीड़ीयों से गिरे और सहसा ही रुक गई । लेकिन कुछ समय पूर्व मेरे छोटे भ्राता धर्मधर जी की पैर की पाली साईकिल से गिर जाने से टूट गई और दिनाङ्क 10 दिसम्बर प्रातः 6 बजे उसकी चिकित्सा कराई है लगभग सात दिन में पट्टी खुल जायेगी ऐसी अभिनव बातें हो रही हैं । मामा जी

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

... को उनका बरेली जाने का निश्चित विचार था किन्तु परिस्थिति वश स्थगित करना पड़ा अब भी मन में जाने की है। यदि दोनों भाईयों का स्वास्थ्य सुधर गया तो जल्दी जाने की सोच रहे हैं। चूंकि बरेली वाले अब तक बहुत बार आ चुके हैं। .... में उन्होंने अपने बड़े पुत्र राजू को भी भेजा लेकिन स्थिति वश नहीं आ सके। अनन्त श्री "श्री" जी के चरणों में मामाजी सहित हम सभी के प्रणाम निवेदन करें। ... जी के स्वास्थ्य की चिन्ता उन्हें भी रहती है। श्री दुर्गाजी शरणानंद जी ... उनके पत्र नालागढ़ गये थे उत्तर नहीं मिला। समाचार देते रहें। बरेली गये तो श्री जी के दर्शन दिल्ली करते हुये जायेंगे।

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS FOR THE REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

NEW DELHI

भारत
INDIA
15 P.

श्रीमान्
भोला रतनलाल जी
अग्रवाल
C/33 JANGPUR EXTN
New Delhi
न्यू दिल्ली 14

पिन PIN

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री: | चौमुजा- भरतपुर
३-५-७३

अनन्तश्री करुणासिन्धु "श्री" जी
सादर कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों | अभी
आपका प्रेषित पत्र मिला | प्रसन्नता हुई
आदेशानुसार १०० प्रति श्री परशुरामस्तोत्र
३ प्र. श्री राष्ट्राऽऽलोक ३ प्र. श्री संक्रान्ति -
पञ्चदशी | अभी रजिस्ट्री पार्सल द्वारा
भेज रहा हूं | कृपया प्राप्ति की सूचना दें |
सब यथा पूर्व ही चल रहा है | श्री पं० बल-
जिन्नाथ जी का पत्र आया था | उसका उत्तर
तत्काल दिया गया | किन्तु उनका उत्तर नहीं
आया है | गत कल साथ बरेली से हरे बाबू
का पत्र आया है | उन्होंने श्री-चरणों में
प्रणाम लिखने को लिखा है | आज प्रात:
हरि जी स्वयं दो साथियों के साथ आये

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

किसी आवश्यक कार्य से। यहां श्री परशुराम
जयन्ति खूब धूम धाम से मनाई जारही है।
देहली से श्री नित्यानन्द द्वारा यहां का कार्यक्रम
आया है। कामा (काम वन) भी धूम धाम से
उत्सव मनाया जारहा है। श्री पारखे जी को
मेरा जयशंकर कहदे। यहां के सभी का प्रणाम
स्वीकृत हो। गोविन्द

पोस्ट कार्ड
POST CARD

आनन्द ... जी
c/o
म. म. पारखे
दी सेन्ट्रल पुप मिल्स लिमिटेड
११८३ शिवाजी नगर
फरगुशन कालेज रोड - पूना ५

DELHI ... 73 ... AM

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री ... पुर

22.3.77

अनन्त श्री "श्री जी" महाराज के पूज्य पादों में
दासानुदास
ओमप्रकाश का साष्टांग प्रणाम ज्ञात हो.

आप का पत्र कल दिनांक 21.3.77 को ऑफिस के पते पर प्राप्त हुआ. आप का पत्र पढ़कर शरीर में श्वासों का संचार हुआ जान पड़ा। आपके दर्शाये हुये मार्ग पर ही चलूंगा तो [illegible] उस समय मस्तिष्क इतना काम नहीं कर रहा है कि मैं एम.ए. की तैयारी कर सकूं फिर भी कोशिश करूंगा. पूज्य श्री ताऊजी का स्वास्थ्य ठीक है. वह आपको साष्टांग दण्डवत् कह रहे हैं श्री कुमार जी भी आपको साष्टांग प्रणाम कह रहे हैं. श्री कौशल्या जी एवं उनकी धर्म ~~[illegible]~~ पत्नि भी आपको जयशंकर कह रहे हैं. श्री पद्मसिंह शास्त्री जी, श्री मुकन्द जी (स्टोव बनाने वाले), श्री छोटे लाल जी, श्री नैमीचन्द शास्त्री जी भी आपको सादर जयशंकर कह रहे हैं। पूज्य श्री ताऊजी का यहां पर सभी मिलने वालों को जयशंकर कहें।

आप अपने स्वास्थ्य की सूचना पत्र द्वारा देवें। अवश्य लिखते रहिये ...

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible] आपके स्वास्थ्य को विषय में जानकारी
[illegible] प्राप्त हो सके. श्री सियाराम जी
[illegible] पता आपका हुआ है उन्होंने भी आपको
[illegible] की किसी [illegible] धरती [illegible]
[illegible] पता आपका है उन्होंने भी आपको
[illegible] प्रणाम लिखे हैं, उन्होंने [illegible]
[illegible] मांगा है हमारे पास पूरा पता नहीं:
[illegible], आने वाले पत्र में नालागढ़ का पूरा
[illegible] अवश्य लिखवायें जिससे पत्रों को
[illegible] में असुविधा न हो [illegible]
[illegible] मंगल हो त्रुटियों की क्षमा
[illegible] चाहता हूं,

[illegible] श्रीमाताजी [illegible]
[illegible] आपको [illegible] दासानुदास
[illegible] अभयप्रकाश शर्मा
[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

सेवा में
अनन्त श्री [illegible] महाराज
द्वारा श्री पं. सूर्य [illegible] शर्मा
नालागढ़ (हि. प्र.)
NALAGARH
(H.P.)

पिन PIN

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री: । ...स्तु:

दिनांक १० 3/८

श्रीमान् वा. कृष्ण सूरी लाल जी
राम राम ।

सर्वत्र कुशलमस्तु
आप जी का एक पत्र
बलिया से प्राप्त था
वह तत्काल पोस्ट
कर दिया गया वह
आपको मिल गया
होगा आप उसे
जहां आप जी हों वहां
पहुंचाने का कष्ट
करें । शेष कुशल

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्री कस्तूरीलाल जी आनन्द

आनन्द भवन C-33

NH5 — फरीदाबाद

टाउनशिप

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री। श्री कुआँ - भरतपुर
२०-१०-६२

श्रीयुत

राजकुमारजी। जयशंकर। सर्वतः - कुशलमस्तु। अभी २ पत्र मिला, उत्तर में निवेदन है कि श्री पारखे के पत्र की प्रतीक्षा थी किन्तु उनका अभी कोई पत्र नहीं आया है अस्तु यहां सब ठीक है चिन्ता की कोई बात नहीं है। हां, यहां दिवाली (दीपावली) के बारे में चर्चा है शनिवार को मानें या रविवार को आप कृपया "श्री जी" से पूछ कर लिखें। एक राष्ट्रीय पंचांग देहली से निकलता है उसकी १ प्रति अवश्य भेज दें, और प्रति वर्ष भेज दिया करें। "श्री जी" के स्वास्थ्य समाचार देते रहें। जैपुर से अभी पुस्तक नहीं आई है श्री वैद्यजी से श्री "सप्तशती सर्वस्व" भेजने के लिये कह दें। शेष कुशल है। अनन्त श्री विभूषित श्री चरणों में कोटिशः [illegible]

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री वैद्यजी, मास्टरजी, बाबूरामजी
शास्त्री जी, उनके मामाजी, श्रीमती
जी आपके घरमें श्रीबाँकेलालजी
आदि सभी को जयशंकर कहें।
श्री विश्वम्भर सिंह जी के बालक
को न्यूमोनिया हो गया है,
श्री पं० मनोहरजी का [illegible] जिसके
पहले की अपेक्षा ठीक है।
"श्रीजी" को साष्टांग प्रणाम में
निवेदन करें। आपका—
भिक्षुगोविन्द:

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्री ऱ्री ८/०
श्री राम कुमार जी अग्रवाल
C/o के जंगपुरा वे. ए आफिस
जंगपुरा - दिल्ली. १४

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मो। चौबुर्जा-भरतपुर
१५-२-७३

अनन्त श्री पूज्य चरण करुणा वरुणालय
"श्री" जी के पुनीत पाद पद्मों में कोटिशः
प्रणाम स्वीकृत हो। सर्वतः कुशलमस्तु।
मैंने यहां के समाचार श्री पं. बलजिन्नाथ
जी के पत्र में लिख दिये थे। अभी स्थिति
ऐसी ही है। विशेष कोई बात नहीं है
आपके कुशल पत्र मिलते रहें। यह आ
वश्यक है। परसों न. ना. को चै.
हरी बाबू एवं उनकी धर्मपत्नी नरेला
से आये थे कल वापिस चल गये हैं
आपको प्रणाम लिखने को कह गये हैं
अभी तक "प्रभो! शम्भो" का मुद्रण नहीं हुआ
है। श्री आनन्द जी तथा श्री पं. बल-
जिन्नाथ को सादर जय शङ्कर कहें

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

कुशल पत्र
मिलता रहे यही
प्रार्थना है।
नागवेन्द

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

NEW DELHI-15
DELY
16.2.73

EXPTL. P.O.
15 FEB 73
U-88

अनन्त श्री "श्री" जी
c/o
श्रीमान् कृष्णकुमार आनन्द
K. K. आनन्द
एफ. १८३ मानसरोवर गार्डन
नई दिल्ली १५

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

२५-११-७२

श्रीमान्

लाला कृष्णकुमारजी। जयशंकर।

सर्वत्र कुशलमस्तु। अभी २ श्री पं० द्वारिका-नाथजी द्वारा लिखित कार्ड मिला। उससे ज्ञात हुआ है कि अनन्त श्री करुणासिन्धु भगवान "श्री" जी आपके यहां ठहरे हैं। प्रात एक कार्ड श्री अशोक कुमारजी आनन्द का मिला उसका उत्तर दे चुका हूं। अस्तु मैं ता. ३०-११-७२ को पहाडगंज देहली बरात में आरहा हूं। वहां प्रत्यक्ष में "श्री" जी से सब बातें हो जॉयगी। एक पत्र अभी श्री हरि प्रसादजी को भी देहली लिख दिया है। मेरा विचार यहां से ता. ७-१२-७२ को यात्रा करने का है। आगे जैसी आज्ञा होगी किया जावेगा। कृपया आप मुझे यह अवश्य लिखें कि पहाडगंज से मैं राजौरी गार्डन आऊं अथवा मान सरोवर गार्डन दोनों जगह जाने के मार्ग की सभी बातें खुलासा लिखें।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delh

... श्री श्री जी महाराज के चरणों
में मेरे प्रतिदिन प्रणाम निवेदन करें
अपने परिवार में भी सभी को जयश्रीकृष्ण
कहें। गोविन्द:

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्रीमान्
कृष्णकुमारजी आनन्द
K.K. आनन्द
एफ़. १६७ राजौरीगार्डन
नई दिल्ली २७
F 167/3 Rajouri Garden
New Delhi-27

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मध्यान्ह ११ बजे श्री[illegible] भरतपुर
६-१२-७२

अनन्तश्री करुणावरुणालय "श्री" जी महाराजके पुनीत पादपद्मोंमें कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। [illegible]। श्री: कृपापत्र मिला। मैंने यहांसे ता० २-१२-७२ को श्री अशोककुमारजी को पत्र लिख कर सूचित किया है कि यहां ता० ३०-११-७२ को प्रातः ९ बजे श्री माजी का जीप मोटरसे पं० रामदत्तजी के घर जाते हुए एक्सीडेन्ट होगया है ३ दिन तक तो बिल्कुल होश नहीं था न कुछ बोलती थीं न पहचानती थीं ७२ घण्टे बाद अब कुछ होश है कुछ बड़बड़ाती है कभी २ पहचान भी लेती है किसी २ को। कभी २ जोर २ से चीखती हैं ऐसी स्थिति में कल श्री हरिप्रसादजी को भी पत्र लिखा दिया है। उनका पत्र आया था कि आप आइये विवाह होता रहेगा उससे कोई फर्क नहीं आयेगा। पर ऐसी दशा में कैसे चल

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आपका भी आज क्योंकि पत्र नहीं मिला तो सोचा
सोमवारको ही मिलजाना चाहिये था सो भक्त
अब मिलगया है। कल चि. भगवनको भी पत्र
लिखा है उसमें पं० डी. एनजी - राजौरी गार्डन
को भी टे. फू. करनेको लिख दिया है। अस्तु
इन दिनों बरेली चलना तो हो ही नहीं सकता
अत: आप बहरामपुर ही हो आये तो ठीक है
शेष कुशल है। कृपा पत्र देते रहें। इससे संतोष
और धैर्य बना रहता है। सभीको जयशङ्कर।
आपका — गोविन्द:

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS FOR THE REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्रीमान्
अशोककुमारजी आनन्द
ए फ़. १८३ मानसरोवर गार्डन
नई दिल्ली १५

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible] श्री । चौबुर्जी भरतपुर

२-१२-७२

अनन्त श्री करुणासिन्धु । भगवान । आपकी
सदा जय हो । सर्वत्र कुशलमस्तु । मैं यहाँ कल
सायं ४॥ बजे पहुँचा । बस से उतरते ही
समाचार मिला कि माजी का ता. ३०-११-
७२ को एक्सीडेन्ट होगया है । घर आनेपर
पता चला कि वे अस्पताल हैं । अस्पताल
गया तो उन्होंने मुझे देख तो लिया है
पर पहचान लिया है या नहीं यह पर-
मात्मा ही जाने अभी तीन दिन से बोल-
ती बिलकुल नहीं है कभी २ कुछ टूटी
फूटी भाषा में एकाध शब्द भले ही निकले
अस्तु ऐसी स्थिति में क्या लिखूं । अनु
मान यही होता है कि अभी बरेली
चलना सम्भव नहीं है । आप पत्र देते
रहने की कृपा अवश्य करें । ताकि आपका
पता तथा प्रोग्राम ज्ञात रहे । चरणों पर

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

देहली आवेगा आविवेद शर्मा को
शेष कुशल है। सभी को जय
शंकर। गोविन्द:
पुनश्च
श्री आनन्द जी। जय शंकर। कृपया
यह पत्र जहां "श्री" जी महाराज हों। पहुँचा दें
गोविन्द

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

समीपेषु
"ॐ" जी
c/o
श्री अशोक कुमार आनन्द
एफ. १८ मानसरोवर गार्डन
नई दिल्ली १५

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Sansthan, New Delhi

श्री [illegible]

८-१२-७२

श्रीमान्

अनन्त श्री करुणा वरुणालय ।
आपको सदा जय हो । कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों । सर्वत्र कुशलं सत्यं शिवं सुन्दरमेव च ।
कृपापत्र अभी र मिला । मनीआर्डर ता. २-१२-७२ को कर दिया है एक पत्र भी लिख दिया है । पर अभी तक पहुँच नहीं आई है । एक्सीडेन्ट ता. ३०-११-७२ को प्रात ९॥ बजे श्रीमाजी पं. रामदत्त जी के घर की ओर जा रही थीं इधर से उधर सड़क पार करने में एक इन्जीनियर सा० की गाड़ी से टक्कर लगने से हुआ है । मस्तिष्क में दाहिने ओर चोट लगी है काफी खून निकला था । अब होश तो आ गया है पर अभी तक ठीक कर पहचानती नहीं है कुछ कहना चाहती हैं पर कह नहीं सकतीं । अब तक यही स्थिति आगे भगवान जाने । आपका पहला पत्र मिलने पर मैंने दूसरा पत्र भी लिख दिया था । पर आपको मिला नहीं ; मैंने भगवान खण्डेलवाल को भी पत्र में लिख दिया था कि वे आपको पण्डित श्री द्वारिका नाथ जी से सूचित करदें कि समाचार मिल जाँय । बरेली से चि. हरि-
[illegible]

ami Amrit Vagbhay Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

का निबन्ध लिख दिया है। श्री छोटे लाल जी रवि-
वार को मुझे मिल चुके हैं पर परिस्थिति अभी
उनके अनुकूल न होने से दुबारा नहीं मिले हैं। इधर
मुझे भी दिन रात हस्पताल के झंझट से अवकाश
नहीं मिल रहा है। श्री गिरिराजशरण जी का कल पत्र
आया है उन्होंने प्रणाम लिखने को लिखा है। और
आपका टे. फ़. नं. पूछा है। श्री दुर्गा जी ने पूर्व पत्र में
प्रणाम लिखने को लिखा है। श्री आनन्द जी के यहां
सभी को जय शंकर। गोविन्द.

आनन्द श्री "श्री" जी
C/o
लाला कन्हैयालाल जी "आनन्द"
मो. 2 एन. एच. 5 फरीदाबाद
[illegible] N.I.T.
फरीदाबाद (हरियाणा)

EXPTL. P.O.
POST CARD

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Letter से आनन्द - Bhardwaj

19-5-67

श्री आचार्य चरण के प्रति
पादपद्मों में दासानुदास के
कोटिशः साष्टांग दंडवत् प्रणाम
स्वीकृत हो.

आज पत्र रामकुमार कोठिया
मैने वकीलजी से टेलीफून बातचीत
करनी चाही परन्तु दुर्भाग्य वश न
हो सकी मैं आज जाता हूं। पंडित
जी की तबियत खराब की इस कारण
से वह रुक गये है नहीं तो शहर
आने का प्रोग्राम था. अब मैं
शनिवार शुक्रवार को देहली पहुंचूंगा
तो आपकी सेवा में शाम को
शहर हाजिर हो जाऊंगा. आपका
स्वास्थ्य कैसा है ~~सब~~ हम सब लोगों
को बहुत चिन्ता है. और मेरे योग्य
[illegible]

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible] लिखते थे
आप कें। आपकी कृपा
से [illegible]
अच्छी तरह हैं।

आपका चरण
सेवक
Mohan

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP भारत 6 nP

Syt. Shri S.K. Ji.
V. D. Bakhshi
Labour Officer
Hindustan Housing
Factory.

~~[illegible]~~
NEW D[illegible]

[illegible] Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang[illegible]

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

विजया दशमी श्री गोकुल-भरतपुर

८ - १० - ६२

अनन्त श्री सर्वतन्त्र स्वतन्त्र श्री "श्रीजी" महाराजके पुनीत पादपद्मोंमें कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशलमस्तु। अमावास्यासे अब तक कोई कुशल पत्र नहीं मिला सो कृपया लौटती डाकसे देनेका कष्ट सहन करें। आपके यहां पधारने पर श्री लक्कनोजीने पूना पारखे जीको भरतपुर आपके पधारनेका समाचार दे दिया था उसके उत्तरमें उन्होंने वहां से पूछा है कि "श्रीजी" भरतपुर कबतक रहेंगे . . . . . श्रीजी के दर्शनकी उत्कट इच्छा है सूचना मिलते ही भरतपुर पहुंचूंगा इत्यादि कृपया यह भी सूचित करें कि इन्हें का उत्तर दूं या देहलीका पता भेजदूं आगेका प्रोग्राम लिखें तो कृपा होगी। श्री पं० मनोहरलालजी, श्री विश्वम्भरजी

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आदि सभी आपको सादर प्रणाम में कहते थे
श्री जैन साहब, श्री लखनोजी, श्री पं० दुर्गाजी
सबको साष्टांग प्रणाम स्वीकार हो।
श्री बरबक्शी जी इनके मामाजी
श्रीमतीजी कुमार एवं कुमारी सबको
यथोचित जयशंकर। श्री वैद्यजी, मास्टर
भगवानदासजी श्री बाबूरामजी, श्री
राजकुमार जी आदि सबको जयशंकर
गोविन्दः

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

5 nP INDIA

" श्रीजी "
Y.D. Bakhshi
c/o
Hindustan Housing Factory
Kothi No. 33. Bhogal
Jangpura New Delhi
No. 14.

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भरतपुर
१० - ३ - ६९

श्रीमान गुरुदेवजी महाराज को चरण
सेवक कृष्णगोपाल का दंडवत प्रणाम
स्वीकार होवे - निवेदन है कि मैंने
सुना है कि आपके स्वास्थ्य में अन्तर
बताया है मैं पंडितजी के मकान पर
गया है तो मालूम हुवा है कि देहली
गये हैं. अपनी आरोग्यता की खबर
भेजना - हमको बड़ी चिन्ता है क्योंकि
ऐसे देवता पुरुषों को सदैव प्रसन्न रखे
जो आपने विवाह के २ मुहूर्त निकाले
थे - प्रथम २८ जून व ८ जोलाई
हमने आपकी आज्ञानुसार २८ जून

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

है मुझे रखवा है - आप प्रातः मे
दिन को अवश्य कृपा करें जी
आपका खर्चा हम देंगे श्री पांडव
श्री गोविन्दजी आपके परम भक्त है
जनता के भी परम हितैषी है -
ऐसे ही हमभी आपके चरण सेवक दीन
ब्राह्मण है - आपके वचनों का पूरा भरोसा है
आ. हु. कृ. जोशी पं. जावद

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

॥ श्री जी ॥
वैद्य बृहस्पति देव (त्रिगुणा)
मोगल रोड पोस्ट जंगपुरा
देहली नं. १४
Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delh

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

7

सरदारजी ज्ञान जी

दान सिंह

लक्खी बाग

Dhl Mill

Lakhi Bagh

Dehradun UP

EHRADUN

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

DELY
20-4-56
15 AM

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

DR. R. C. GUPTA & Co.

BHARATPUR

B. Jai Jai Ram ji.
Manager
Gita Bhawan
Rishikesh
Hardwar

रजिस्ट्री

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री. श्री.

पुजारी नत्थाराम जी महाराज

रावती का घेरा

केशी घाट

वृन्दावन.

Brindraban

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

DR. R. C. GUPTA & CO.

BHARATP

(IND

VRINDA

27 AU

MA

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

MADAN GOPAL MADAN MOHAN

KARYANA MERCHANTS & COMMISSION AGENTS
Kanak Mandi, Gali Post Office,
JAMMU TAWI.

To, Sh. Ishar Das
Ba
Distt- Roper
P.O. Sohan
(Distt R
Ropar

मदन गोपाल मदन मोहन
कनक मण्डी 'गली पोस्ट आफिस, जम्मू तवी ।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

مدن گوپال مدن موہن کمیشن ایجنٹس گندم منڈی جموں

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

प्रति श्रीमान्

पूज्य पाद अनन्त श्री

महामहिम "श्री" श्रीमहात्मा

द्वारा श्री सीताराम जी

बी. 66 मोती बाग

साउथ नं. २

नई दिल्ली

110021

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

"श्री जी"
c/o
श्री सावनराम जी
55
FF
नांगल डेम
जि. होशियार पुर
नांगल डेम (पंजाब)

To, Shri Mam Shriji
inanuraj
C/. Shri Shawan
ramji
Naangal Delh
DRH.
Hoshiyar pur.
NANGAL DE BH.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri.

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

EXPRESS
DELIVERY

श्री· पं· गोविन्द जी मिश्र

C/o

2200

श्री· वैद्य बृहस्पति देव (त्रिगुणा)

भोगल रोड़ पो० जंगपुरा

देहली नं. १४

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

10-3-61

अरटुर

1961

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

EXPRESS
DELIVERY

श्री - पं. गोविन्दजी मिश्र

C/o

857

श्री - वैद्य बृहस्पति देव (त्रिगुणा)
भोगल रोड पो० जंगपुरा
दिल्ली नं. १४

देहली नं. १४

N.L. Jain
Budhki wat
Bharatpur

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

EXPRESS Delivery

INDIA

POSTAGE नये पै 13 N.P.

FIFTEEN NAYE PAISE

INDIA POSTAGE

BHARAT

MAR

BHARATPUR

1500

पंडित गोविन्द जी मिश्र

द्वारा

प्रो० बृहस्पति देव (त्रिगुण)

मोगल रोड पो० जंगपुरा

दिल्ली नं० १४.

00957

DELHI

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To

श्रीमान् अमृतवाग्भव आचार्य,
C/o वैद्य श्री बृहस्पति देव
(त्रिगुणा)
मोगल रोड, पो० जंगपुरा
दिल्ली नं० १४

FIFTEEN NAYE PAISE
INDIA POSTAGE

From
पूर्ण दत्त
मिश्र
C/o सेठ श्री दमीलाल
श्री छोटेलाल चौधरी
राजाखेड़ा (भरतपुर)

1961

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

23/11/62

सेवा में

अनन्त श्री विभूषित
सर्वतन्त्र "श्रीजी"

C/o

वैद्यवर्य श्री बृहस्पतिदेव "त्रिगुणा"
मोगलरोड़ पो० जंगपुरा
देहली नं० १४

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ONE AND A HALF ANNAS
INDIA POSTAGE

RISHIKESH
20 FEB.
4 -PM.
1948
DEHRADUN

श्री महाराज
c/o
Sjt. Sardari Lal ji Syalkot-wala
Ahata Abdulrahman
अहाता अबदुल रहमान, (
Lakhi Bag लखी बाग
(Deradun)

Jai Jai Ram

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

L. C. GUPTA

MANUFACTURERS' REPRESENTATIVE

BHARATPUR

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री १००८ श्री वागर्षि महाराज

C/o.

Medico Surgical Industries
Station Road
Mandup. G. I. P.

Bombay

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री १०८ मन बाबा महाराज
C/o.

बाबू जै जै राम जी
मैनेजर
गीता भवन
रिशिकेश हरिद्वार
Rishikesh.

DR. R. C. GUPTA & CO.

AUTOMOBILE & CYCLE IMPORTERS

BHARATPUR

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

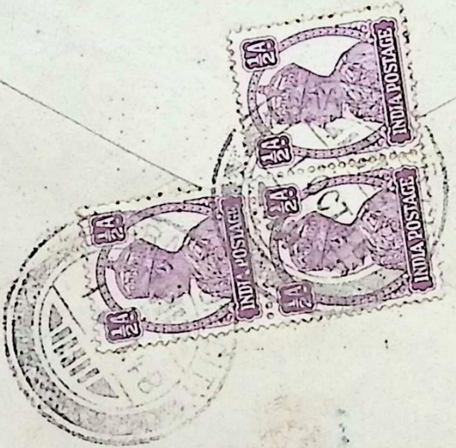

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To

Swami Shree Anand Nath ji Maharaj
c/o Babu Jairam Dass ji
Gita Bhavan
P. O. Rishikesh
(Haridwar).

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

DEHRA DUN 13 AUG 43

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अनन्त श्री 'श्रीजी' महाराज
C/O श्री पं. रवीशरण शर्मा
डि- 306 ओ.ड.पु. मोतीबाग
नई दिल्ली 21

New Delhi 21

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Town Office
Bharatpur
321001

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री गोविन्दजी मीश्र
चौबुर्जी भरतपुर (राजस्थान)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

EXPRESS delivery

सेवामें

श्रीमान्

1571

पूज्य॰ श्री॰ पण्डित गोविन्द जी मिश्र ज्योतिषाचार्य

C/o

पं॰ श्री बृहस्पति देव (त्रिगुणा)

मोगल रोड़ पो॰ जंगपुरा

देहली न॰ १४

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

"श्री जी"

C/O पं॰ नत्थूराम शर्मा जज साहब
माडल टाउन नं॰ ५४३
नीयर स्कूल

करनाल

मि॰ अ॰ गोविन्द
चौबुजगन्द
मालपुर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

1

सेवामें

श्री मान्

अनन्त श्री सर्वतन्त्र स्वतन्त्र

बाबा महाराज आनन्द नाथ जी महोदय

C/o बाबू जयराम जी

गीता भवन

हृषीकेश (हरिद्वार)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

DEHRA DUN
1 SEP 47

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To:-

Shree Bawa Maharajji!
Annand
c/o
Pandit Jai Ram Dasji
Gita Bhawan
P.O. Rishikesh
Hardwar U.P.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To:-

Shri Swamiji

c/o.

Lala Kastur chand

Anand

Hasan chambers

India Industries

Fort Bombay 2.

Bharatpur

Bombay 2

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

BOMBAY
DELY.
8 - A.M.
26 JLY 18

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

कोठी गुलनार बाग
भरतपुर
ता: 23-6-82

श्री परम गुरु पाद काभ्यो नमः,

मुझे बड़े खेद के साथ लिखना पड़ रहा है कि गुरुदेव का दिमाग खराब हो गया है। सो आप कृपा कर फौरन भरतपुर आने की कृपा करें। मैंने एक तार भी दिया है सो मिल गया होगा। सारा घर बड़ा दुखी है। मेरा खान पान नहीं हुआ है।

कभी गुरुदेव नंगे डोला करते हैं कभी कुछ करते हैं। धनेश जी का इलाज है। अगर आप की आज्ञा हो तो आगरे mental hospital में दाखिल करें। हमारे मन के काबू के बाहर है। अगर आप आ जायेंगे तो ठीक हो जायेंगे। याददाश्त बिल्कुल ठीक है। आप कृपा कर इसे तार समझें और कृपा करें।

आप का चरण दास

गिरधारी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

To Express Delivery

श्रीमान् १०८ श्री स्वामी

आनन्द जी [illegible]

c/o Jai Ram babu

Gita Bhavan

P. O. Rishikesh

Near Haridwar

28/6/48

Bharat[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री बाबा महाराज

c/o.

Pandit Jai Ram Dasji

Gita Bhawan

P.O. Rishikesh

Hardwar U.P.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

9 DEC 47

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Express Dely.

EXPRESS DELIVERY

INDIA POSTAGE

... PUR CITY

Shreeman Dayanand ji Joshi

Farrashkhana

Samosagali

Delhi.

DELHI.

6

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अनन्त श्री सर्वतंत्र स्वतंत्र श्री १०८ बाबू
आनन्द नाथ जी महाराज
C/O श्री बाबू बिहारी लाल जी
रैली डैन्ली आफिस
जयपुर सिटी।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ADDRESS YOU
CLEARLY AND BUY
BANK CERTIFICA
JUN 47
7 45 A.M.
JAIPUR CITY

27 47
12 30 PM

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Shri Swami ji
Maharaj
C/o Shri Krishan Gopal
Sardari Lal
176 Lakhi Bagh
Dehra dun
P.O. ~~Delhi~~ Dehradun

Dehra Dun

LATE FEE
DETAINED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

7 MAY 83

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

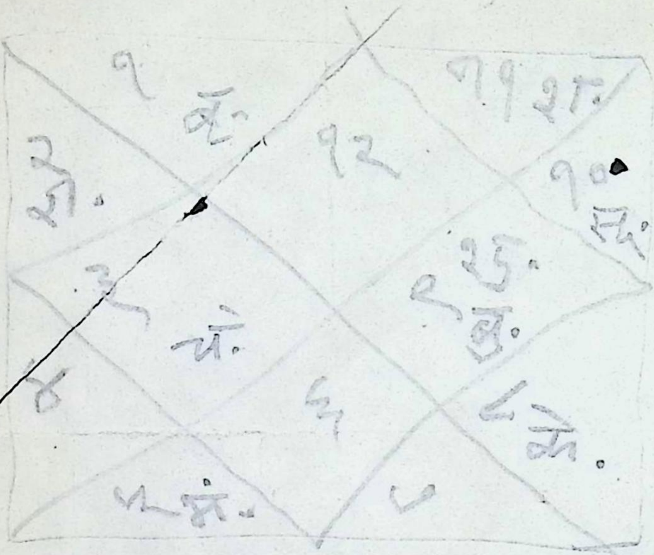

१६/१/६५

११ बजकर १८ मीनट पर दिल्ली में जन्मा हुआ नरहरलाल खन्ना की पुत्री।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Kavipundarikam

Sampoorna Datta Mishra

M. A. (*English*), **M. A.** (*Sanskrit*)

राजाखेड़ा (भरतपुर)
Mohalla Gopal Garh
BHARATPUR (RAJASTHAN)

Dated ...६...३...१९६१...

पूज्य आचार्य,

श्रीचरणस्पर्श। अब तो आपके दर्शन किये बहुत दिन होगये हैं। सुना है आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं है। यहाँ का जलवायु बहुत अच्छा है। इसलिये आप यहाँ पधारें। भरतपुर में अमरेशकुमार बी.एस.सी (फाइनल) की परीक्षा दे रहा है उसकी परीक्षा समाप्त होते ही आप कृपा कर उसको साथ लेकर यहाँ आ जाइये। आगरे से यहाँ नदी पार करके आना पड़ता है। उसको साथ लाने में आपको कोई कठिनाई नहीं होगी क्योंकि वह सब मार्ग जानता है।

अभी चाचाजी (मिश्र गोविन्द जी) के पत्र से आपका पता लगा है। पहले भी मैंने आपकी खोज की थी। कलियुगी समाज की ओर से जब मन खिन्न होता है तो आपका स्मरण आ ही जाता है। ये तो रात दिन के झगड़े हैं, कुछ न कुछ लगे ही रहते हैं। यदि आप सीधे दिल्ली से ही आना पसन्द करें तो कृपा कर ऐसा लिख दीजिए कि मैं या तो नदी किनारे पहुँच जाऊँ या आपसे आगरे आकर मिलूँ।

आगरे से टूला नदी को बस चलती है। टूला नदी पर बस छोड़ देगी। नदी में घुटनों तक जल है। पैदल पार करना पड़ता है। इस किनारे ताँगे मिलते हैं। छः आना सवारी लेते हैं। राजाखेड़ा नदी से पाँच मील है। आगरे से टूला नदी के ।।।) लगते हैं। यह मार्ग है।

श्रीमान् अमृतवाग्भव आचार्य

आपका
सम्पूर्ण दत्त मिश्र

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

गहो हाथ स्वामी करो बेग पारा, कहूँ क्या अबै आपनी मैं पुकारा।
सबै ज्ञान के बीच भाखी तुम्हारे, करो देर नाहीं अहो संत प्यारे।११।

घत्ता-श्रीशांति तुम्हारी कीरति भारी, सुन नर नारी गुण माला।
चौ. बखतावर ध्यावे रतन सु गावे, मम दुख दारिद सब टाला ॥१२॥

ॐ ह्रीं श्रीशांतिनाथ जिनेन्द्राय गर्भ-जन्म-तप-ज्ञान-निर्वाण पंचकल्याण प्राप्ताय महाऽर्घं।

१११ शिखरिणी छंद-अजी ऐरानंदं छबि लखत हैं आय अरनं,
धरें लज्जा भारी करत थुति सो लाग चरनं।
करे सेवा कोई लहत सुख सो सार छिन में,
घने दीना त्यारे हम चहत हैं बास तिन में ॥ १३ ॥

इत्याशीर्वादः। इति श्री शांतिनाथ जिन पूजा संपूर्ण।

अथ श्री कुन्थुनाथ जिन पूजा

पूजा

[स्थापना] (छन्द)

गजपुर नगर मंझार भान प्रभु भूप जी। १११
कुन्थु नाथ जिन पुत्र भये सुख रूप जी ॥

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

लक्षण अजा अनूप मात लक्ष्मी मती ।
तुंग धनुष पैंतीस तिष्ठ करुणापती ।। १ ।।

चौं. ॐ ह्रीं श्रीकुन्थुनाथ जिनेंद्र अत्रावतरावतर संवौषट आह्वाननम् ।
ॐ ह्रीं श्री कुन्थुनाथ जिनेंद्र अत्र तिष्ठ: ठः ठः स्थापनम ।
११२ ॐ ह्रीं श्री कुन्थुनाथ जिनेंद्र अत्र मम सन्निहितो भव भव वषट् सन्निधिकरणम् ।

[अथ अष्टक] (१) [त्रिभंगी छन्द]

पद्महृदनीरं गंधगहीरं अमल सहीरं भर लायो ।
कंचन मय झारी भर सुखकारी पूज तिहारी कर धायो ।।
श्री कुन्थुदयालं जगरिछपालं हन भव जालं गुण मालं ।
तेरम चक्रेश्वर षट्चक्रेश्वर विघन हनेश्वर दुख टालं ।।

ॐ ह्रीं श्री कुन्थुनाथ जिनेन्द्राय गर्भ जन्म-तप-ज्ञान-निर्वाण पंचकल्याण प्राप्ताय जलं । (२)

घस चंदन बावन दाह मिटावन निरमल पावन सुखकारी । चौं.
तुम चरणचढाऊं दाह नसाऊं शिवपुरपाऊं हितधारी । कुंथु० चंदनं ११२
अक्षत अनियारे प्रासुक धारे पुंज समारे तुम आगे ।
अक्षयपद दीजे बिलम न कीजे निज लखलीजे सुखजागे । कुंथु० अक्षतान्

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

फोन : ५२५ से. टे. ४४५/४४४३१

श्री वीर प्रेस, जयपुर

उच्चतम कलापूर्ण मुद्रण कर्ता

आर्डर नं० 652 दिनाङ्क 3/12/ १९६1.

श्री गोविन्द मिश्रजी चौबुर्जी, भरतपुर

विवरण	मूल्य रु०	आ०
विगत श्री विश्व तिलकस्तोत्रम्		
परिमाण 1000		
माप 20×30/16		
बाइंडिंग 1000 कापी		
इंटरलीफ		
परफोरेटिंग		
नम्बरिंग		
रूलिंग		
विशेष		
25) ब्लॉक फार्म छपाई		
योग		
3) ब्लॉक फार्म कटाई		
प्राप्त		
2) टाइटल छपाई		
अवशिष्ट		

आर्डर देनेवाले [signature] 30/12/61

फोरमैन/व्यवस्थापक [signature]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

२५/

२०/

३५/

३/

२/

८१/

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री को २ मास से लापता है परन्तु आत्मविलास के अध्ययन के सुसार ते
एवं आपके अनुग्रह से [illegible] रहते हैं। श्री [illegible]दिन ने प्रणाम
लिखने को कहा था और ठीक चल रहा है। दासानुदासो गोविन्दः

ता. ६-२-६२

अनन्त श्री

"श्रीजी" महाराज को कोटिशः प्रणाम ज्ञात हो। आपका २ पत्र मिला
यहां सब कुशल है। चिन्ता की कोई बात नहीं है। डाक भेज रहा हूं।
श्री आकूत जी का १ कार्ड पहले डाक बाद और आया था जिसमें उन्होंने
अभी १ मास मथुरा ठहरना लिखा है यदि आज्ञा हो तो मिल आऊं और
पुस्तकें दे आऊं। श्री बा कुशल है। वसन्त पीछे जैपुर
जाने की सोच रहा हूं। आपका गोविन्दः

यह डाक नालागढ़ से वापिस कल ही आई है।

श्री सागरमल राम जी को
जय श्री कृष्ण ज्ञात हो

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री। चौबुर्जा - भरतपुर ८ - १ - ६२

अनन्त श्री सर्वतन्त्र स्वतन्त्र बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दासानु-दासके कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। अत्र कुशलमस्तु। महाराज पधारने के पश्चात् गत परसों श्री पं० सन्तरामजी के पत्र से आपके पधारने के समाचार मिले कि आप गत २५-१२-६१ को नालागढ़ पधारे हैं, स्वास्थ्य के बारे में वे भी लिखना भूल गये अस्तु आपकी इच्छा मेरे विचार से कभी २ स्वास्थ्य समाचार तो देने ही चाहियें आपकी इच्छा आये हुए पत्रादि सेवामें साथ ही भेजरहा हूं।

गत २२ दिसम्बर को मैं जैपुर गया था वहां श्री पं० दयानन्द जी एवं रमानन्द जी से पुस्तक छपाने की बात चीत हुई उसके बारे का पत्र जो आया है सेवामें भेजरहा हूं। वैसे अब रमानन्द जी की श्रद्धा अब त्रिवेदीजी में पूरी होचुकी है कुछ ऐसे ही व्यवहार आपस में हो गये हैं। श्री स्वामी मूर्खारण्य जी भी तत्व समझ गये हैं। पुस्तक "श्री श्री विंशति का शास्त्रम्" का पद्यानुवाद श्री गुरुमुखि दास जी वाला छपानेका विचार था जैसी आज्ञा हो किया जाय श्री रमानन्द जी ने गद्यानुवाद स्वेच्छा से लिखा है मेरी इसबारेमें उनसे कोई बात चीत नहीं हुई अभी उन्हें कोई उत्तर भी नहीं दिया है।

श्री नरबदे जी, श्री अच्युतजी, श्री वत्सजी, श्री पं० बदरी दत्तजी के पत्रमात्र हैं।

आगे का क्या प्रोग्राम है यदि उचित हो तो लिखें। सुना है कि मथुरा में छपाई और भी सस्ती है श्री तिवारी जी कहते थे। यदि आज्ञा हो तो मथुरा जाकर तलाश कर आऊं और जो पुस्तकें भेजनी भी हैं दे आऊं अभी महावनजी तक तो कहीं जा नहीं सकूंगा। शेष आप जानें।

श्री पुरोहित जी, श्री विश्वम्भरसिंहजी, श्री जैन सा० श्री गिरिराज शरण जी आदि सभी [illegible] श्री पुरोहित जी का पुत्र [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

का स्वास्थ्य ठीक है - मुझे हर समय आप के स्वास्थ्य
की चिन्ता रहती है - कारण आजकल ऐसा क्यों
होता है - सिर्फ आप का मेरे प्रति जो स्नेह है वही
मुझे हर समय आप की याद दिलाये रहता है —
रहा व्यापार सम्बन्धी रूई का भाव वायदा अप्रेल
का जो धन्धा हमारा है वह शुक्रवार (४ बजे ४-२७)
था दूसरा नया वायदा अगस्त ४६४ ।।) है इससे
हमारा कोई सम्बन्ध नहीं है — आशा है कि
आपके धारणा के अनुसार ही शुद्ध हमारा व्यापार
अप्रेल वायदा भी ४६०/ या ऊँचा हो जावे —
चिन्ता तो नहीं करता मगर न जाने इस बार क्यों
ऐसा होता है - जीवन में कभी ऐसा नहीं हुवा
प्रभु इच्छा - जो होना है वही होगा - आप कब
तक भरतपुर पधारेंगे - रमेश चन्द्र का जेवरात
मालूम करना - बाकी सब ही परिचित लोगों का
जेवरात मालूम करना — हमारा बनाये
रखना कोई उपाय हो तो जरूर लिखना
आप ने समय मेरे लिये बताया की आपने का सुख का तथा
तुला [illegible]

[illegible]

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री

भरतपुर
५-३-५७

परम-आदरणीय

श्रीमान् पं. जी के चरणों में प्रणाम स्वीकार हो -
सुबह पत्र लिखा था - अब दूसरा पत्र सेवा में भिजवा
रहा हूँ - आज १०) तथा १५) के दो मनी-आर्डर देहली नं. २४
के पते पर आपको वापिस किये हैं - मिलने से सूचित
करना एक हिन्डोल भी - दूसरा भेजता हूँ भी का दो पत्र
भी पता बदल कर भिजवाये हैं मिल गये होंगे - यहाँ श्री बाबू
जी का स्वास्थ्य पहिले से ठीक है - घर पर माजी तथा श्री
पार्वती जी सब कुशल पूर्वक हैं - मैं स्वयं गया था
बीरेश्वर - धर्मेश्वर भी ॐ शंकर मालूम करना - श्री जी को
मेरा तथा सब ही की ओर से चरणों में कोटि २ प्रणाम
कहना - स्वास्थ्य के बारे में पूछ कर लिखना - अब कहां
जाना है - बिन्दा अब तो ठीक आती होगी - मोतीराम
जी सब को प्रणाम लिखवाता है तथा तबियत के समाचार
पूछता है - यहाँ मेरी तबियत स्वस्थ नहीं है - दवा चालू
है - आपकी कृपा से शीघ्र ही ठीक हो जाऊंगा -
मेरी ओर की चिन्ता छोड़ दें - प्रभु जो करते हैं वह
ठीक ही करता है — आप अपने स्वास्थ्य

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आपके आने पर जिम्मा देंगे — भगवन् आपके चित्त को सदैव प्रसन्न रखेंगे — यही सेवी उनके चरणों में हर हफ्ते प्रार्थना है —

भाव रुई का अप्रैल वायदा सोमवार को ५६६ रुपये रहा गत सनीवार के ५५३) उस भाव से देना पड़ा क्योंकि ५७५) होकर ५६६) हो गया और आज भी वही कमाया मिलते हैं —

सोमवार को ५६६) का सौदा के बाजार बन्द था पन्त जी के आदरणा — शायद ऐसा हो सकता है कि आपके आगत वायदा पर लीन होगा और ५८०) है आप चिन्ता न करें अब नहीं हुवा है तो आपकी विचार धारा के अनुसार अब हो जायेगा — महान पुरुषों का विचार खाली नहीं जाता — श्री· जी के चरणों में सेवा प्रणाम कह दीजियेगा — पं· लक्ष्मीलाल — प्रधान जी — पन्नालाल जी — ... जी — श्री· किशनम जी — श्रीरघानन्द जी मा· भगवत प्रसाद जी आदि सब आप को जै रामजी कहते हैं — आपके घर सब प्रकार कुशल है और स्वा· ... जी जै रामजी कहते हैं — वहाँ के ... श्री ... आदि की जै रामजी नाम... है — कृपया पत्रोत्तर देवें ...

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

श्री

भरतपुर

९-३-६१

परम-आदरणीय श्री पं. जी के चरणों में प्रणाम स्वीकार हो

आपका कृपा पत्र ८-३-६१ का लिखा गति कल ही मिल गया था - मगर उत्तर न देने का कारण यह था कि श्री- बहनोई सा० के छोटे भाई बाबू जवाहरसिंह जी की हृदयगति रुक जाने से मृत्यु होगई थी - सारा दिन उधर ही चला गया वहाँ से लौटा तो फिर अस्वस्थ होगया - नाक से खून काफी गया - इस समय भी सिर में दर्द हो रहा है जो भोग भोगने हैं भोगने ही होंगे - आपका लिखना यथार्थ ठीक ही है कि आप कोई चिन्ता न करें - मगर क्या लिखूं मुझ जैसा मस्त आदमी जिसने आज तक चिन्ता नहीं की बहुत कोशिश करता हूं मगर क्या बताऊं ख्याल दिल से हटता ही नहीं जब उन लोगों का पत्र आता है वह घाव हरा हो जाता है - आपसे हाथ जोड़ कर प्रार्थना है कि आप इस ओर ध्यान न देवें अपना स्वास्थ्य तथा श्री-जी के स्वास्थ्य का ही ध्यान रखिये मैं तो केवल आप के ही बल पर जीवित हूं - आप को देख कर मेरा मन शान्त हो जाता है - आपके लिखे अनुसार शुक्रवार को श्री राज राजेश्वरी की ज्योत जगा कर हवन कन्या बटुक

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सफल इलाज करावे - श्री योगेन्द्र जी पहिले से स्वस्थ
है और २ [illegible] काम होरहे है - श्री मनोहर जी गुप्त
के विवाह के - [illegible] जी को [illegible] - मित्र श्री मनोहर
लाल जी ने [illegible] माजी से [illegible] दिया है —

आपके यहाँ माजी तथा श्री पं. नानीजी सब ठीक है
और यहाँ ईश्वर सब कुशल है आप को
[illegible] रहा है — बाकी और सब ही परिचित सज्ज
नों से [illegible] कह दूंगा - श्री पवन कुमार जी - आप को व
श्री जी को [illegible] स्वास्थ्य के बारे में पूछते है
[illegible]
नानी माँ [illegible] भगवतजी - [illegible] - [illegible] कहते है
श्री बाबूलाल जी का स्वास्थ्य पहिले से ठीक है बादली ज्वर [illegible]
[illegible] बाद होजाता है, [illegible] शरीर ठीक रहती है खांसी
पहिले से कुछ ज्यादा [illegible] है -
[illegible] है - कल दि० ता० ३/१२ [illegible] की लड़की
का सम्बन्ध [illegible] पक्का कर दिया [illegible] - [illegible]
आपके न होने से - आपकी [illegible] कमी महसूस सी और
होता है ठीक है बाकी सब ठीक है [illegible] की हालत जो पहिले
जैसी ही [illegible] रही है, [illegible]
[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

श्री

भरतपुर
७-३-७९
वक्त १२ बजे दोपहर

श्रीमान् आदरणीय श्री पं. जी के चरणों में प्रणाम स्वीकार
हो - कृपा पत्र आपका ता. ३-३-७९ का लिखा आज मिला
समाचार जाने कृष्ण श्री जी के द्वारा आप नहीं मिले सो
कोई बात नहीं - मगर उनके समाचार जान कर मन को चिन्ता
हुई बड़ी तो - आपके एक लोकों के रोके जाने हार के वही आप
स्व हैं श्री भगवान उन्हें शीघ्र ही आरोग्य करें जिनके
हम जैसे घबड़ाये हुये मानवों को सान्त्वना वचन रहे
उनके हमारा [illegible] उनका ...
आप आपके स्वास्थ्य का भी ध्यान रखते हैं मैं तो
केवल आपका ही रहता है - वैसे तो दुनिया ही जिसकी
है मगर जैसा मान लिया है वहां तक बड़ी शान्ति
का कारण है - मेरा स्वास्थ्य पहिले से एक आराम [illegible]
है - दर्द कमर के पेट तक होता है - घुटनों में दर्द - मसल
में दर्द - दस्त साफ नहीं होता - सिर में दर्द - गैंगरेन
तो चलता ही रहता है - रूई का गोला इन सब रोगों के
आधिक हैं - फिर जो होना है - होता रहेगा - आप
[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री॥ श्रीकुञ्ज - अक्टू. २२ २३ ११/६०

अनन्तश्री विभूषित श्रीपाद पद्मों में दासानुदास गोविन्द के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों।

सर्वतः कुशली सत्यं शिवं सुन्दरमेवच।

श्रीकृपा से सानन्द भोगल पहुँचे होंगे।

गत परसों ही श्रीसीताराम जी का पत्र आया है कल रुद्रावल जाने के कारण न भेज सका अब पत्र के साथ भेज रहा हूं। गत रात्रि को ८॥ बजे श्री गिरिराजशरणजी की जननी का शरीरान्त हो गया है।

श्रीजैन के ३ पत्र पाये हैं उन्होंने अनेकों अभिवादन लिखे हैं।

श्री तिवारी जी को उनकी पुस्तक लौटा दी है।

शेष कुशल है।

श्रीवैद्यजी, पं० द्वारिकादत्तजी। श्री मास्टर जी आदि सभी से सादर जय श्रीकृष्ण कहें। दासानुदास-गोविन्द

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

CABLES: "LAKHOJI."

DR. R. C. GUPTA & Co.

AUTOMOBILE & CYCLE GOODS IMPORTERS, REGISTERED DEALERS & CONTRACTORS

Ref. No. ....

Stockists of:
DUNLOP TYRES AND ACCESSORIES — PICTURE FRAME AND GLASSES — ELECTRICAL SUNDRIES AND BULBS — PAINTS & VARNISHES — TOOLS, HANDWARE AND AUTOMOBILE ACCESSORIES — NEW CYCLES AND CYCLE PARTS — MYSORE LAMPS — LUBRICATING OILS AND GREASES — RADIOS

BHARATPUR, 3 नवम्बर 194२.

श्रीयुत बाबू सोमेश्वरजी

नमः शंकरः

पत्र आपका मिला समाचार लिखे सो जाने. अभी 15 पैसा और मंगवाया था सो कोई अभी भेजा नहीं है आवश्यक है कि सबसे प्रथम तो यह देखना है कि जो पार्सल आपको हम भेज चुके हैं वह ठीक पहुंच भी है कि नहीं जब पहुंच जावे तब आप इसका समाचार दे देवें हम फौरन भेज देंगे. दूसरी बात यह है कि अमावस्या के दिन प्रातः 6/30 पर कन्या जन्म हुआ है इसलिए दस दिन का आशौच है स्वतन्त्र मिल नहीं रही. आगरे से मंगवाता हूँ. आगे जो मेरे लिए आज्ञा हो उसके लिए मैं हर वक्त तैय्यार हूँ. श्री स्वाध्याय इनके पास अभी तक नहीं आया है ग्राहक बराबर चक्कर लगा रहे हैं व रुपया भी नये ग्राहकों से थोड़ा सा प्राप्त हुआ है वह भी तगादा कर रहे हैं व मैंने 2 पत्र श्री पं. हरदेव जी को डाले हैं एक शिमला व एक देहली लेकिन अभी तक कोई भी जवाब नहीं है व न श्री स्वाध्याय ही आया है. समझ में नहीं आता है कि क्या कारण है और न पं. जी के पास ही उनका कोई समाचार है. पहिले पत्र में स्वाध्याय समाचार आज्ञा न होने के कारण न लिखा गया [illegible] यथा [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

स्वर्गाश्रम ३

हीं है श्री. जी के चरणों में मेरे और पं. जी के साष्टांग प्रणाम स्वीकार हों आज ज्योतिष भवन का उद्घाटन भी हो गया है नाम "श्री गोविन्द ज्योतिष भवन भरतपुर" पर रखा गया है. शेष कुशल पूर्वक हैं।

आपका,

[illegible]

आपके इलाज के बाबत मालूम पड़ा है कि इलाज मद्रास में तथा कलकत्ता में तैयार है चौपट कवीन्द्र रहता है ... है लिखें लिखिये क्या विचार है।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

CABLES : "LAKHOJI."

DR. R. C. GUPTA & Co.

AUTOMOBILE & CYCLE GOODS IMPORTERS, REGISTERED DEALERS & CONTRACTORS

Ref. No. ....

BHARATPUR, २५-५- 194५

Stockists of :
DUNLOP TYRES AND ACCESSORIES
PICTURE FRAME AND GLASSES
ELECTRICAL SUNDRIES AND BULBS
PAINTS & VARNISHES
TOOLS, HANDWARE AND AUTOMOBILE ACCESSORIES
NEW CYCLES AND CYCLE PARTS
MYSORE LAMPS
LUBRICATING OILS AND GREASES
RADIOS

श्रीश्री १०८ श्री आचार्य चरणों में आपके दास
दास लछमीचन्द के कोटिश साष्टांग दण्डवत
स्वीकार हों।

आगे आपकी आज्ञानुसार मैं श्री गणेश
जी से मिला उन्होंने कहा था कि मुझसे
कुछ भी सेवा नहीं ली गई है मैं हर वक्त सेवा करने
को तैयार हूं अतः करीब २०-२५ मिनट तक बातें
हुई मुझे तो ऐसा मालूम पड़ता था कि वह पं. हरदेव
जी की बातों से अनजान (?) थे परन्तु उन्होंने जाहिर
नहीं किया कहीं पर मुझे पता लगा था कि श्री
स्वामी शिवानन्द जी महाराज आये हुए हैं और वह
वृन्दावन गये हैं मैं यहीं पर सोमवार की रात को
गाड़ी से लौट कर वापिस आ गया था और परसों
कुछ तबियत खराब होने की वजह से कुछ नहीं लिख
सका जिसके लिए क्षमा चाहता हूं श्री स्वामी जी
पं. जी के साथ देहली (?) गये हुए हैं वह शायद आज
आ जावें वह भी वृन्दावन आने के लिए कह रहे
थे शायद २-४ रोज में ही आवें। और श्री स्वामी
जी कहते थे कि पं. हरदेव जी भी देहली आये हुए हैं

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

2) मुझे उनका कुछ भी पता नहीं था वरना मैं
अवश्य उनसे मिलता। और आपकी आज्ञानुसार
मैं आपके मामा से भी मिला तथा श्री राघवाचार्य की
पत्नी ? [illegible] भी ही लेकिन उन्होंने तो बहुत खराब
सा बरताव किया और न वह मिलना ही चाहती हैं
वह कहती थी कि वहाँ खुद आकर मिल जाये मैं तो
इस वक्त कहीं भी नहीं जा सकती हूँ। ~~[illegible]~~
~~जी~~ मेरा विचार कल आगरे जाने का है। बातें तो बहुत
सी हुई हैं पर कहाँ तक लिखूँ श्री [illegible] बाबत
[illegible] बाबू जी का विचार आज श्री शिवानन्द जी से
[illegible] जी उनको सब कुछ मालूम है और [illegible]
जो कार्य हो तो कृपया सूचित करें।

आपका दास
लक्ष्मीचन्द्र

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Madan Gopal Madan Mohan

KARYANA MERCHANTS & COMMISSION AGENTS

Kanak [M]andi, Gali Post Office [J]AMMU TAWI.

मदन [ग]ोपाल मदन मोहन, कनक [मण्डी], जम्मू तवी ।

مدن گوپال مدن موہن کمیشن ایجنٹس گندم منڈی جموں

Dated 2-7-73

Ref. No.

सेवा में पूज्यनी श्री श्री १०८ श्री गुरुदेव जी महाराज
के चरणों में सेवक कि नमस्कार है कोटी कोटी प्रणाम
आज निवेदन कर रहे हैं श्री [illegible] जी कि पत्र से पता
चला कि आप के सेवा में आये हैं आप कि कृपा से सेवक
को [illegible] हैं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अभिलाषा थी मगर दुर्भाग्य वश कुछ झंझटों के
कारण पूरी न हो सकी. आप ने देहली में भी सेवक
को वचन दिया था कि कभी भी समय आप
स्वयं आकर दर्शन दें गे सेवक इसी आशा में समय
गुजार रहा है. कि वह दिन कब होगा जब आप के
दर्शन होंगे स्वयं ने मैंने लड़कों को ताकीद कर
दी हुई है. जब भी आप स्वयं आवें कि कृपा
करें तो [illegible]. मुझे [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भरतपुर
2-2-49

श्री श्री 100 = श्री परम पूज्य श्री [illegible]
के चरण कमलों में आ[illegible]
दासानुदास लक्ष्मी के अनेक सादर
साष्टांग दन्डवत स्वीकार हों।

कृपा पत्र मिला। बाबू कस्तूरीप्रसाद
जी को पत्र साथ में भेज रहा हूं।
फैरसेंच पत्र की मंजूरी अभी तक
नहीं आई है पता नहीं कब तक
आवेगी। सावित्री बहन को भी संबंध
अभी कहीं पर भी ~~विवाह~~ तै नहीं
हुआ है इन दो कारणों से बहुत
चिन्तित हूं। भविष्य का मुझे कुछ
भी ज्ञान नहीं है कि इनमें क्या होगा
हरी के देहली में लड़का हुआ है

प. मा. देहली गये हुए हैं आज
कल [illegible] गिरदोस हो चुके परन्तु अभी
तक वापिस नहीं आये हैं।
श्री स्वामी शिवानन्द जी आज कल
देहली विराज रहे हैं।
~~मुं. श्री के~~.
पत्र में देर होने का कारण यह था
कि मैं इन दिनों जयपुर, अजमेर, लाडनूं
देखने गया हुआ था -
आशा है दास की गलतियों
को क्षमा करते रहेंगे
आपका दास
लक्ष्मी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

CABLES: "LAKHOJI."

DR. R. C. GUPTA & Co.

AUTOMOBILE & CYCLE GOODS IMPORTERS, REGISTERED DEALERS & CONTRACTORS

Ref. No. ....

BHARATPUR, ...194 .

Stockists of:
DUNLOP TYRES
AND
ACCESSORIES

PICTURE FRAME
AND
GLASSES

ELECTRICAL SUNDRIES

PAINTS & VARNISHES

TOOLS, HARDWARE
AND
AUTOMOBILE
ACCESSORIES

—

NEW CYCLES
AND
CYCLE PARTS

—

MYSORE LAMPS

—

LUBRICATING
OILS AND
GREASES

—

RADIOS

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

धर्म ... प्राणियों ...

अधर्म का नाश हो !! हर हर 卐 महादेव विश्व का कल्याण हो !!

दण्डी स्वामी धर्म संघ संस्कृत महा विद्यालय

शाहपुर रोड, लुधियाना (पंजाब)

क्रमांक............... दिनांक ११ दिसम्बर

परमाराध्य प्रात: स्मरणीय महामहिम १००८ श्री श्री श्री "श्री" जी महाभाग के पावन पादपद्मों में शतश: नमन।

देव ! चिर समय से सम्पर्क अभिकाङ्क्षित होने पर भी इच्छा स्पृहा के अभाव में सफल न हो सका।

भरतपुर से आदरणीय श्री मामाजी ने प्रिय ओम्प्रकाश शर्मा द्वारा आपका पता प्रेषित कराके मुझे कृतार्थ किया है उनका स्वास्थ्य प्रतिकूल चल रहा है।

(जुलाई ७८) नव सत्र के प्रारम्भ में ही मैं यहाँ आगया था तभी से आन्तर भावना वशात् मैं निवेदन करना चाहता था कि पञ्जाब प्रान्त में आने पर मुझे अवश्य सूचित करने की कृपा करें। मुझे यह सत्र गृहलक्ष्मी के बी.एड. प्रशिक्षणार्थ मुसावर, भरतपुर, में प्रवेश लेने के कारण एकाकी ही पूर्ण करना है, यहाँ सब प्रकार से सुविधा है अत: आप यथा सम्भव (समय) दर्शनार्थ समय प्रदान करने की

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

विशेष —

धर्म संघ प्रकाशन मेरठ द्वारा प्रकाशित "जगद्गुरु गौरव" नामक ग्रन्थ में एक लेख पढ़ने पर जिज्ञासा हुई है कि क्या गायत्री जप व्याहृति रहित करना चाहिए अथवा मूल मन्त्र में प्रणव लगाकर व्याहृति सहित जप करना चाहिए, लेख में व्याहृति सहित जप सन्तति बाधक गार्हस्थ्य के लिये उपदिष्ट है — इधर १९६५ के १८ जून गुरुवार एकादशी को मेरा विवाह संस्कार सम्पन्न हुआ है अद्यावधि इस क्रम को स्वीकार करना सार्थक न हो सका है। अतः जन्माङ्ग उभय लिख रहा हूँ अवलोकन करके दिशा निर्देशित करने की कृपा करें यथावत् उपरोक्त सभी वृत्त लिख गया है आपकी अकारण करुणा का "नाम करण" किए जाने से अब तक अनुभव करता रहा हूँ वही संबल है जो निवेदन करने का साहस किया है। त्रुटि के लिये क्षमा प्रार्थी हूँ पुनरपि

— धरणी धर शर्मा

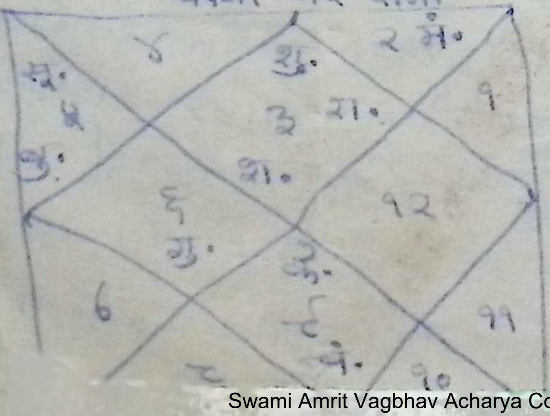

श्रीमती रामकुमारी शर्मा

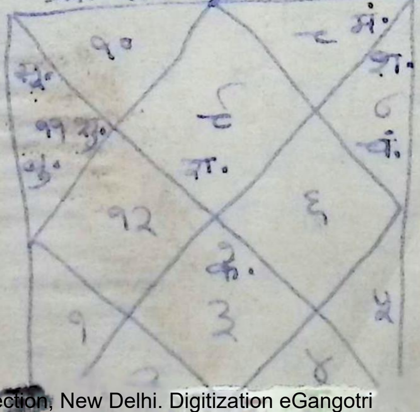

सादर सप्रश्रय अभिवादन निवेदन करते हुए विराम करता हूँ।

— भावुक:
धरणीधर:
उप प्राचार्य:

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Gram : LAKHOJI Phone : 33

DR. R. C. GUPTA & CO.

Direct Importers, Exporters & Government Contractors.

Ref.......... BHARATPUR 18/4/1956

श्रीमान सरदारी लाल जी

जयशंकर

आपकी रजिस्ट्री मिली समाचार विदित हुए तथा वह रजिस्ट्री श्री जी ~~की~~ की आज्ञानुसार मैंने स्वयं भीलके बाड़े जाकर पं. जी को देदी।

वह कांड तो ता. ४।३।५६ को हुआ था और अब ता. १४।३।५६ को फिर दुबारा श्री बिहारी जी गिरपड़े है तथा अबकी बार एक हाथ टूट कर दूसरी जगह फिर गिरा है तथा जुड़े के ऊपर से भी टूट गये है व जोड़ निकल आये है जुड़े के ऊपर तथा नीचे बीच साफ़ दिखाई दे रही है। कमिश्नर साहब जयपुर से परसों पधारे थे परन्तु अभी तक कोई भी निर्णय नहीं किया है। पं. जी भीलके बाड़े है वह अभी १०-१२ रोज़ बाद आवेंगे। आप यह संदेश श्री जी के पास अवश्य ही भेज दें। श्री जी को आप कृपया मेरा जयशंकर भी कह देवें। आपको भी मेरा जयशंकर स्वीकार हो - और कोई मेरे योग्य कार्य सेवा हो तो नि:संकोच लिखने का कष्ट करें।

आपका

महावीरप्रसाद [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

को [illegible] कार्याते इन्दुशेखर [illegible]
जी का इलाज शुरू करा देना या
जिस प्रकार ठीक समझो वह नाप
बता देना अगर जगदीश प्रसाद के
२५) रु. मांगने प्रार्थी [illegible]
मैं फोन पर दे
सकी रुपये (दे
जगदीश को।।
जानते हो मैं
[illegible] लाती [illegible]
[illegible] जी [illegible] आदि
सबको [illegible] ओ३म् [illegible]
कृपा [illegible]

पहला मोड़

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

POSTAGE 10 NP INDIA १० नप

२/११/५८

[illegible] गोविन्द जी मिश्र
[illegible] कुंजी
पो० भरतपुर
(राजस्थान)

तीसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

भरतपुर DELY 24.11.58 10 AM BHARATPUR

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible] [illegible] 7/[illegible]

श्रीमान पं. जी के चरणों में प्रणाम [illegible]
[illegible] हो

[illegible] जा होगा - प्रभु मेरी तबियत
[illegible] अपनी कुशलता आपका
[illegible] महाराज के चरणों
[illegible] इतना है प्रार्थना
[illegible] रविवार को पता लगा [illegible]
[illegible] के पत्र से मालूम
हुआ [illegible] मैं भी तबियत
ऐसी ही वैसी चल रही है [illegible]
कोई काम नहीं [illegible] ऐसी हालत
में दवाई खाते रहे [illegible] काम
आप [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Dr. R. C. GUPTA & Co.,

AUTOMOBILE & CYCLE IMPORTERS

AGRA MARBLE BUILDING
2nd FLOOR
DARESI No. 2
OPP. SHANKER HOTEL

DR. R. C. GUPTA & CO.
BHARATPUR.

Agra 1-10-194८.

श्री श्री १००८ श्री परम पूज्यनीय श्री अनन्त
श्री बाबा महाराज के चरण कमलों में आपके
साष्टांग दण्डवत स्वीकार हो.
कि कुन्दन दास का

सेवा में कई पत्र भेजे गये परन्तु एक
का भी उत्तर नहीं मिला इनको बहुत चिन्ता है
हरिद्वार से भी कोई पत्र नहीं मिला सिर्फ एक पत्र
पंडित जी के पास आया था
गंगा राम जी का
जिसमें श्रीमान हनुमान दास जी बाबत लिखा था
श्री पंडित जी का ~~[illegible]~~ स्वास्थ्य अभी वैसा ही है
कोई विशेष लाभ नहीं है चिन्ता आर्थिक रहता
हर समय रहती है यह उनकी
रही है और
समझ में नहीं आता है कि अभी तक यह और क्या
नया रोग पैदा हो गया है - श्रीमान जी अलवर
से आज वापिस आगये हैं स्थिति यथा पूर्व
ही है. पंडित जी का सादर प्रणाम स्वीकार हो.
इस पत्र की प्रतीक्षा में हैं. ~~[illegible]~~ का क्या
निर्णय हुआ यह भी अभी पता नहीं ~~चला~~ है.
~~[illegible]~~ ह. प.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

हनुमान दास जी का पत्र जो आया है वह
इसके साथ भेजा जा रहा है

आपका.

[illegible]

श्री काशीविश्वनाथ जी ने कबीर
ग्रन्थावली का सूचीपत्र भेजा है
और लिखा है जिन २ ग्रन्थों की आवश्यकता
हो चिन्ह लगाकर भेज दीजिये आज्ञा
हो तो सूचीपत्र सेवा में भेज दिया जावे

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

CABLES: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & Co.

AUTOMOBILE & CYCLE IMPORTERS & CONTRACTORS
BHARATPUR
(INDIA)

Ref. No. .... Date १२-५-४८

श्री १०८ श्री परम पूजनीय श्री बाबा महाराज के
चरण कमलों में ....
जयशंकर स्वीकृत हो

आशा है आप सकुशल रिषिकेश पहुंच गये होंगे पत्र आने पर ज्ञात होगा, आगे चन्द्रप्रभा की गोलियां भेजी जा रही हैं सो कृपा इनकी पहुंच देना। पंडित जी का स्वास्थ्य बहुत सुन्दर है शेष सब कुशल हैं गत कल श्रीमान बाबू केशवदेव जी भी यहां पधारे हैं आज रावजी साहब अलवर गये हैं कृपया आगाडी के प्रोग्राम से सूचित करें। पंडित जी का जयशंकर स्वीकृत हो। श्रीमान बाबू गजेन्द्रराम जी, पं. हरदेव जी, शिवप्रसाद जी व सब प्रेमियों को पंडित जी का जयशंकर पहुंचे चनोटी से पंडित रामरत्न जी का पत्र आया है उन्होंने देवदत्त के बारे में पूछा है उनकी माता बहुत बीमार है देवदत्त को याद करती हैं।

आपका...

[signature]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

दसौंधीराम बनारसीदास
नयी मंडी
ला. रामदित्तामल
मुजफ्फर नगर
U. P.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मैं कल एक पत्र और भेजा हूँ। श्री ह. रावजी यहाँ से वृन्दावन
गये थे और वहाँ से सीधे देहली रवाना हो गये हैं
और उनका कुछ भी पता नहीं है। आपका पत्र तो पंडित
जी को भरतपुर। डाक का पता लिख गये हैं
"श्री महानुभव" जो काश्मीर से कलकत्ते आया था और जो
मेरे पास है वह मैंने अन्दर कोठे में सन्दूक में बन्द करके
हारिकजी से रख दिया था और ताली ताली के गुच्छे में
डाल दी थी, वह ताली का पूरा गुच्छा १० रोज से गायब हो
गया है मिल नहीं रहा है सो इस सन्दूक को १-२ रोज में
तुड़वा कर "श्री महानुभव" और जो पुस्तकें पंडित जी ले
जाती है उन सबको रजिस्ट्री द्वारा भेज दूंगा। जो देरी हो
उसके लिये क्षमा चाहता हूँ। देहली पर अभी कब्जा नहीं
चढ़वाया है, आशा है लिखियेगा कैसे [illegible] चढ़वाया
जाय। आपने जो श्री गुरुजी को ता. २९-६-४८ को पत्र
लिखा था वह मैं उनके घर से अभी ले आया हूँ और
मेरे लिये जो सन्देश भेजा है वह ठीक है।
इस संबंध का निर्णय [illegible] स्वीकार कर रहा है

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

GRAMS: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & Co.
DIRECT IMPORTERS & EXPORTERS
AND
COMMISSION AGENTS
BHARATPUR

Ref. No. .... Date १४-८-४८

To

श्री श्री १००८ श्री नारायणजी
महाराज की पूज्य पादुकाओं
में साष्टांग दण्डवत् स्वीकार
हो.

श्रीमान्.

आपके कर कमलों द्वारा लिखा हुआ पत्र अषाढ़ शु. ३
शु. वि. सं. २००५ का लिखा पढ़कर अत्यन्त आनन्द हुआ, श्री
गुरुजी के बारे में आपने पूछा है सो वह तो जब आपके
साथ गये थे तभी से देहली हैं अभीतक वापिस नहीं
आये. कारण यह है कि वह सोमवार को वापिस
आ रहे थे परन्तु गाडी निकल जाने से रुक गये
और फिर उन्हें बुखार हो आया दूसरे दिन जब
तबियत कुछ ठीक हुई तो नल के नीचे बैठकर स्नान
करीब १ घन्टे तक करते रहे सो बुखार को जोर हो
गया और मोतीझरा निकल आया श्री नरेन्द्र चन्द्र जी
भी गये थे और मैं भी [illegible] था अब कमजोरी है
तबियत पहिले से ठीक है २ रोज को गिरधारी [illegible]
हुआ है वह अगर आज वापिस आ गया तो आपको लिखा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मैं कल एक पत्र और भेज चुका हूँ। श्री र. रावजी यहाँ से वृन्दावन
गये थे और वहाँ से सीधे देहली रवाना हो गये हैं
और उनका कुछ भी पता नहीं है। आपका पत्र जो पंडित
यथा समय मिल गया है
जी को भेजा था
"श्री महानुभव" जो काश्मीर से कलकत्ते आया था और जो
मेरे पास है वह मेरे अन्दर कोठे में सन्दूक में बंद करके
हरिदास जी से रख दिया था और चाबी अपनी जेब के गुच्छे में
डाल ली थी, वह चाबी का पूरा गुच्छा 10 रोज से गायब हो
गया है मिल नहीं रहा है सो इस सन्दूक को 1-2 रोज में
तुड़वा कर "श्री महानुभव" और जो पुस्तकें पंडित जी ले
जाती हैं उन सबको रजिस्ट्री द्वारा भेज दूंगा। जो देरी हो
उसके लिए क्षमा चाहता हूँ। ऐनकी पर अभी कब्जा नहीं
चढ़वाया है, आशा हो [illegible] चढ़वा
जाय। आपने जो श्री गुरुजी को ता. 25-6-48 को पत्र
लिखा था वह मैं उनके घर से आज ले आया हूँ और
मेरे लिए जो सन्देश भेजा है वह ठीक है
इस संबंध का विचार पूर्वक समाधान यह है

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

GRAMS: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & Co.
DIRECT IMPORTERS & EXPORTERS
AND
COMMISSION AGENTS
BHARATPUR

Ref. No. .... Date ....

To

कि मेरा विचार था कि "श्री भगवद्गीता" के अठारहे
अध्याय को नित्य प्रति पाठ किया जावे लेकिन यह मुझ
से नहीं हो सकता था यही मेरी भावना थी लेकिन
अचानक मेरे मन में ता. ५-६-८८ (५ जून शनिश्चरवार) को
सुबह ही स्नान के बाद मन में आई की आगे [illegible]
नित्य प्रति १-१ अध्याय पाठ करके १८ दिनों में समाप्त
कर दिया जाय तदनुसार यह कार्य शुरू होगया और
ता. २२-६-८८ यानी २२ जून सोमवार को समाप्त होगया.
लेकिन इच्छा फिर भी रही फिर मैंने ता. २३-६-८८ से
आरम्भ कर दिया और १२-७-८८ (१२ जुलाई सोमवार
को समाप्त कर दिया। फिर इच्छा न रही तो मंगलवार
से कुछ नहीं किया. इसी बीच में करीब ५-५-या १०-१०
या १५-१५ मिनट को आपके जो आसन बतलाया
था वह किया कभी २ दिन तो शुद्ध शान्ति के
साथ होता था और कभी २ दिन विचार विकार होते

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

थे इतनी नींद में १ दिन जो कि मुझे याद नहीं है ऐसा प्रतीत हुआ कि आंखें को श्री कृष्ण भगवान वाला रूप धारण करके केवल १ मिनट को ओझल से दिखाई दिये लेकिन मैंने कुछ विचार नहीं किया फिर लेकिन ऐसा प्रतीत हुआ कि तस्वीर में अर्जुन व भगवान साक्षात प्रतीत से हुए लेकिन फिर कुछ नहीं यह दिन व बाद मेरे को कुछ भी याद नहीं है और कुछ भी मैंने नहीं किया है अब जो आज्ञा हो किया जावे मैंने यह सब बातें गुरुजी से भी नहीं कही है और मेरी पीठ बहुत दुखती है रीढ़ की जो हड्डी है उसपर तो बहुत ही दर्द सा प्रतीत होता है शायद यह सब आसन की वजह हो, आसन से नित्य पूर्ति चल रही है। इति:

मेरी लिखाई बहुत खराब है व शब्द भी कहीं कहीं ठीक नहीं हुऐ है इसकी मैं आपसे हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं और आशा करता हूं कि आप कृपा कर पत्र अवश्य डालेंगे!

आपका आज्ञाकारी चरण
सेवक.

[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

dt. 28-12-66—50,000 Bks.

0 1815 N 158 POONA CITY 23 37

= YOUR LETTER RECD SHRI PARKHEJI OUT OF STATION STOP SHRI SUDHAKARJI AND MYSELF STAYING HERE VERY EAGER TO MEET YOU STOP WIRE WHICH TRAIN ARRIVING = SAVALAPURKAR =

Receive ~~10 Am~~ Poona saturday 10 Am

~~Received~~ reaching poona saturday ~~or~~ ~~[illegible]~~

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

M. S. Parkhe
376- Sukrvarpet-
Poona. 2

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

C. No.

Date Stamp

SECUNDERABAD C.T.O. 23/12/67

Time of Booking

Receipt

From

By

The sequence of entries at the begining of this telegram is—class of telegram, time handed in, serial number, office of origin, date, service instructions (if any) and number of words.

This form must accompany any enquiry respecting this telegram.

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

TELEGRAM

Address 0450

SHRI SWAMIJI AMRITVAGBHAVACHARYA

CARE CHIMANLAL MODI 90 JEERA SECUNDERABAD

SECOND FOLD

FIRST FOLD

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

||श्रीः||

भरतपुर
दिनाङ्क 30-8-81
(इतवार)

सेवामें

परमादरणीय एवं श्रद्धेय,

श्रीभगवन् महाराजजी के श्रीचरणारविन्दों में करबद्ध साष्टाङ्ग ढोक एवं अनन्त जयशंकर वन्दना ज्ञात हो।

यहाँ आपकी कृपा-दृष्टि से हम सपरिवार सकुशल हैं। आपका दिनाङ्क 24 अगस्त 1981 का पत्र प्राप्त हुआ। पढ़कर अत्यन्त आत्मानन्द हुआ। आपके दर्शन की आज्ञा मिलने से बड़ी खुशी हुई और ऐसा अनुभव हुआ कि आप स्वयं दर्शन देकर दया-दृष्टि अपने आप को स्वयं निहार रहे हैं, धन्य धन्य कर रहे हैं। आपकी कृपा-कटाक्ष समस्त सुख प्रदायिनी है। बस यही जानता हूँ।

आपके निर्देशानुसार श्री ग्रन्थमाला का एक पूरा सेट सभी उपलब्ध पुस्तकों 'श्री परशुरामस्तोत्रम्' को 5-7 प्रतियाँ भी और लेता आऊँगा।
का दिनाङ्क 10-9-81 तक लेता आऊँगा एवं उनके घर के सभी सदस्यों
पंडितजी के घर सब कुशल मंगल है। उनका स्वास्थ्य तो ऐसा ही रहता है। उनका जयशंकर की
का यथायोग्य नमस्कार जयशंकर की ज्ञात हो।

श्री पंडितजी श्री सम्पूर्णदत्तजी के कुशल समाचार हैं। कई बार आपका दिल्ली का पता
ज्ञापित हो। मिलने पर कभी 2 वे आपके समाचार पूछते रहते हैं।
भी लिखवाया है।

घर के सभी बच्चों तथा माताजी पिताजी का करबद्ध अनन्त जयशंकर की ज्ञात हो। गृहणी का ढोक ज्ञात हो। श्री भगवान् से प्रार्थना है कि आपका स्वास्थ्य ठीक बना रहे, प्रसन्नता पूर्वक प्रशस्त मार्ग का प्रकाश देते रहे और सदा-सर्वदा आपका वरदहस्त का अनन्त व अनश्वर आशीष रहे। यही जगदम्बा से प्रार्थना है। आपके प्रसन्नतापूर्वक निहारने के लिये कोटिशः जयशंकर 2 की ज्ञात हो।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

विशेष समाचार यह है कि इस समय राजकीय बीज उत्पादक क्षेत्र, सेवर जिला भरतपुर पर क्षेत्र प्रबन्धक के पद पर लगा हुआ हूँ। दिनाङ्क 6-8-81 को ज्ञात हो जायेगा कि इस पद पर आगे भी कार्य करना है अथवा नहीं। अभी मामूली सा ही कार्य भार सम्भाला गया है। अगले आदेशों की प्रतीक्षा के कारण आपके दर्शन दिनाङ्क 10-8-81 तक कर पाऊँगा। कृपा कर क्षमा करें।

शेष आपकी कृपा।

आपका ही वत्स
[signature] 30/8/81
(CHHOTEY LAL)

श्री बाबूजी सीतारामजी,
श्री रतनलालजी तथा अन्य समस्त सज्जनों को जयशंकर की ज्ञात हो।

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत 25 INDIA 25

30/8/81

सेवामें

श्री श्रीजी महाराजजी C/o श्री सीतारामजी खैर
B-66 मोतीबाग-II (साउथ) नई
दिल्ली (NEW DELHI)

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

FIRST FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

CHHOTEY LAL,
Shri Santosh Sadan Mathura Gate Bharatpur
पिन PIN 321001.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥श्रीः॥ भरतपुर

दिनाङ्क: 28।9।81

सेवामें

परमादरणीय एवं श्रद्धेय श्री महामहिम महाराजजी !

करबद्ध श्रीचरणारविन्दों में साष्टाङ्ग ढोक एवं प्रार्थना-वन्दना।

आपका बाबूजी श्री रत्नलालजी द्वारा लिखित पत्र प्राप्त हुआ। प्रस्तुत पत्र से पूर्व मैं एक पत्र सेवामें प्रेषित कर चुका हूँ। पूर्व निर्धारित तिथि को दिल्ली आकर आपके दर्शन नहीं कर सका — इस लिये मुझे क्षमा करने की कृपा करें। उक्त तिथि (दिनाङ्क 10-9-81 तक) दिल्ली नहीं आने का प्रमुख कारण राजकीय क्षेत्र सेवर की देखभाल तथा उसके चार्ज सम्भालने का ही था। मैं आपकी दया-दृष्टि तथा परम आशीर्वाद से सपरिवार कुशल-क्षेम में हूँ। मुझे आपके स्वास्थ्य के प्रति अति चिन्ता रहती है। इसके लिये मैं श्री जगदम्बा से सदैव प्रार्थना करता रहता हूँ। आप पूर्ण स्वस्थ रहें और सदा-सदैव प्रकाश देते रहें — यही परमात्मा से प्रार्थना है। आपकी बड़ी कृपा है। किन शब्दों में लिखकर अभिव्यक्त करूँ। निर्देशनानुसार मौन रहकर आत्मविलासानन्द की अनुभूति आपकी अपनी परम कृपा तथा आशीष ही है।

मैं दिनाङ्क 4-10-81 (रविवार) अथवा दिनाङ्क 13-10-81 (शरद पूर्णिमा) को आपके दर्शनलाभ कर धन्य हो जाऊँगा। आप कृपा करें। पुस्तकों का सैट लेता आऊँगा।

शेष सब आपकी कृपा है।

पण्डितजी के सब कुशल समाचार हैं। श्री ओमप्रकाशजी कुशल पूर्वक हैं। पं०जी श्री सम्पूर्णदत्तजी कु... पूर्वक हैं। उनके पिताजी के विषय में पूर्व पत्र में लिख ही चुका हूँ। आपको अवगत हो ही गया होगा। सबका ... जयशंकर की ज्ञात हो। अन्य सभी प्रेमियों तथा सज्जनों का भी जयशंकर की ज्ञात हो। गृहणी का ढोक त... सभी बच्चों का भी ढोक वन्दना मालूम हो। आपका अपना ही — ... 28।9।81

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत
25 INDIA

सेवामें श्री श्रीजी महाराजजी C/o
श्री रतनलालजी
R.P.S. - 286
मदनगीर (MADANGIR)
नई दिल्ली - 62
(New Delhi - 62)
पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

CHHOTEY LAL,
Shri Santosh Sadan Mathura Gate, Bharatpur (Raj.).
पिन PIN 321001.

28/3/87

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री ॥

भरतपुर
दिनाङ्क 19-8-81

सेवामें

परमादरणीय एवं श्रद्धेय श्री [illegible] महाराजजी !

आपके परम पावन चरण-शरण में साष्टाङ्ग दण्डवत् एवं अनन्त कोटिशः जयशङ्कर जयशङ्कर की ज्ञापित हो।

आपकी परम कृपा से हम कुशल क्षेम में हैं। श्रीईश्वर एवं जगदम्बा भगवती से सदैव यही प्रार्थना है कि आपका स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक रहे तथा हमें सदैव ज्ञान-प्रकाश रूपी महाप्रसाद प्रदान करते रहें और दर्शन-लाभ प्राप्त कर कृतकृत्य होते रहें। साथ ही सविनय वन्दना है कि आपकी कृपा सदैव बनी रहे तथा दया-दृष्टि सदा रहे। आपको पुन नमस्कार नमस्कार है।

प्रस्तुत पत्र-लेखन में विलम्ब के लिये क्षमा प्रार्थी हूँ।

पुत्री 'इन्दिरा' की शादी के उपरान्त एक पत्र सेवामें प्रेषित किया था, जो कि आपको प्रा[प्त] हो गया होगा। आपकी कृपा से विवाह सानन्द सम्पन्न हो गया। हरित तृतीया के पश्चात् मैं आदरणीय पण्डितजी के यहाँ गया था। उनका स्वास्थ्य ऐसा ही रहता है। माँजी भी वृद्ध हैं, वे भी कमजोरी अनुभव करते श्री धर्मेश्वरजी अपने कार्य में व्यस्त रहते ही हैं। सभी का यथायोग्य जयशङ्कर की ज्ञापित हो।

मेरी आपके दर्शन करने की बहुत उत्कण्ठा सदैव रहती है। अतएव प्रार्थना है कि आपके दिल्ली में उपलब्धि की समयावधि से सूचित कराने की कृपा करें। ताकि मैं दिल्ली आकर आपके दर्शन-लाभ कर कृतकृत्य हो जाऊँ। भरतपुर में गर्मी काफी पड़ रही है तथा मच्छरों का अति प्रकोप है।

घर के सभी सदस्यों का करबद्ध जयशंकर की ज्ञात हो। लल्लीजी इन्दिरा का भी यथोचित जयशंकर मालूम हो। बाबूजी श्रीसीतारामजी एवं उनके परिवारी सदस्यों को जयशंकर की मालूम हो। बाबूजी श्री रतनलालजी, श्री रविशंकर जी त्रिवेदीजी तथा अन्य समस्त सज्जनों को भी यथोचित जयशंकर की ज्ञात हो

शेष सब कृपा है। आपकी दया-दृष्टि है।

आपका वत्स- [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत
25 INDIA 25

सेवामें

श्री श्रीजी महाराजजी C/O
श्री सीताराम जी B 66 साउथ
मोतीबाग (MOTIBAGH),
साउथ नं० 2 नयी दिल्ली
(NEW DELHI)

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

CHHOTEY LAL

Sri Santosh Sadan,
Mathura Gate, Bharatpur
(Raj.).

पिन PIN 321001.

19/8/87

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥श्रीः॥

भरतपुर

दिनाङ्क 31-5-81

सेवामें

परमादरणीय श्री महाराजजी !

करबद्ध श्रीचरणों में साष्टाङ्ग ढोक एवं अनन्त

श्री जयशङ्कर जयशङ्कर को ज्ञात हो।

आपकी कृपा से सर्व कुशलक्षेम है।

आपका दिनाङ्क 11-5-81 का आशीर्वाद-पत्र प्राप्त हुआ। अत्यन्त

प्रसन्नता हुई एवं शुभ विवाहोत्सव को सानन्द सम्पन्न कराने की शक्ति प्राप्त हुई। आपकी परम दया-दृष्टि

तथा आपके दिव्य प्रकाश से समस्त विवाहकार्य हर्षपूर्वक सम्पन्न हो गये हैं। आपकी कृपा समस्त कल्याण

है। आपकी जयजयकार है। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि आप पूर्ण स्वस्थ रहें तथा अपना दिव्य

प्रकाश सदैव प्रदान कर हमें आलोकित करते रहें।

आपकी कृपा से "अभिज्ञान शाकुन्तलम्" में वर्णित निम्नलिखित पंक्तियों की

भावनानुसार कन्या के पीले हाथ कर दिये हैं:-

"अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः
जातो ममायं विशदः प्रकामं
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।"

आपकी कृपा, दया एवं आशीष से यह सब सम्भव हुआ है। अतः आपको पुनः

बारम्बार जयशंकर जयशंकर की ज्ञात हो।

पिताजी का बहुत २ जयशंकर की मालूम हो। आपका कृपा-पत्र प्राप्त कर उन्हें

बहुत खुशी हुई। गृहणी एवं सभी बच्चों का ढोक मालूम हो।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पं०जी के सब कुशल समाचार । उनका जयशंकर ज्ञात हो। श्री धर्मेश्वरजी से दोबार सम्पर्क हुआ। उनको श्री जयशंकर ज्ञात हो। अब पं०जी के यहाँ जाकर पुनः पत्र सेवार्पित करूँगा।

शेष सब आपकी कृपा है।

बाबूजी श्री सीतारामजी तथा श्री रतनलालजी को जयशंकर भी ज्ञात हो। श्री रविजी त्रिवेदीजी को भी जयशंकर की ज्ञात हो। अन्य सभी सज्जनों तथा सुहृदयों को भी यथोचित जयशंकर की मालूम हो।

अन्त में आपको पुनः बारम्बार नमस्कार वन्दना एवं जयशंकर की ज्ञात हो।

सादर सेवार्पित।

आपका अपना ही वत्स:-
(signature) 31/5/81
(छोटेलाल)

श्री महाराजजी!

करबद्ध अनंत ढोक एवं जयशंकर की ज्ञात हो।

प्रस्तुत पत्र दि० 31-5-81 को सेवामें लिखा गया था, लेकिन पं०जी के यहाँ जाना सम्भव नहीं हो सका। अब श्री धर्मेश्वरजी से वार्ता होने पर यह पत्र सेवामें प्रेषित कर रहा हूँ। कृपा करें। अति विलम्ब के लिये क्षमा-याचना की प्रार्थना है। आपको पुनः जयशंकरजी।
(signature) 6/7/81

यहां काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA 25 25

सेवामें 31/5/81

श्री 'श्रीजी' महाराजजी C/o श्री सीतारामजी
B 66 मोती बाग II (साउथ नं० 2)
नई दिल्ली (NEW DELHI)

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

छोटेलाल
श्रीसन्तोष सदन,
मथुरा गेट, भरतपुर (राज०)
पिन PIN 321001

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥श्री:॥

भरतपुर
दिनाङ्क 8 जुलाई 1975
मंगलवार

...में

श्री भगवत्-चरण कमलों में करबद्ध साष्टाङ्ग प्रणाम ज्ञात हो।

यहाँ आपकी मंगलमय कृपा एवं दया दृष्टि से सब कुशल-क्षेम से हैं।

आप अनन्त श्रीजी भगवान्‌जी को कोटिशः नमस्कार नमस्कार ज्ञात हो...

श्री पंडितजी कुशलपूर्वक हैं। उनका आपको बारम्बार जयशङ्कर ज्ञात हो। यहाँ श्री धरणीधर भैयाजी...

...ल्लो भैयाजी तथा सुश्री अनुसुइयाजी का शुभ विवाह ठीक प्रकार सम्पन्न हो गया है। आपकी क...

...ते कोई कठिनाई नहीं आयी है।

श्री ज्योतिषी महाराज का स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा है। वे अशक्त ...

...ह तो हैं ही हैं। शेष आपकी मौज है।

यहाँ वर्षा होने से पहिले की अपेक्षा गर्मी कम है। अवशिष्ट आप सब जाननहार ...

...हो।

सुश्री माताजी, माँजी एवं धर्मजी तथा मेरे पिताजी को कोटिशः जयशङ्कर ज्ञात हो।

दिनाङ्क 17 जुलाई के आने वाले पवित्र दिवस पर मेरा श्री श्रीजी-चरणशरण की पावन-कैवल्य-रज में जयशङ्कर ...

ज्ञात हो।

श्री शास्त्रीजी को सादर करबद्ध प्रणाम ज्ञात हो।

आपका अपना वत्स —
(हस्ताक्षर)
(छोटेलाल)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहां काट कर खोलिए To open cut here →

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

सेवामें

श्रद्धेय श्री श्रीजी महाराज जी
C/o श्रीमान् पं० बलदेवन्नाथजी शास्त्री,
संस्कृत विभाग,
हिमाचल संस्कृत विश्वविद्यालय,
समरहिल — शिमला — 5
पिन PIN (SHIMLA-5)

पहला मोड़ First fold

तीसरा मोड़ Third fold

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :

8/8/75

छोटेलाल,
सन्तोष सदन मथुरा गेट
भरतपुर (राज०)
पिन PIN

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:

भरतपुर
17|6|78

श्री "श्री जी" महाराज के
सादर चरण कमलों में दासानुदास
ओमप्रकाश के साष्टांग दण्डवत स्वीकार हो।
मिया सरव के कारण आपको पत्र नहीं लिख सका
के लिए क्षमा चाहता हूं क्योंकि आफिस प्रात:
में जाता हूं और रात्री को 6.30 बजे वापिस
ता हूं रोजाना पत्र लिखने की सोचता हूं लेकिन
न मिलने तथा आफिस की कामों में भूल जाता
जो आपको पत्र लिख रहा हूं देरी के लिए
कानजी। यहां गर्मी अधिक पड़ रही है। अभी
त्म काफी गर्म है। आपका स्वास्थ्य पहले से ठीक है
जानकर प्रसन्नता हुयी। पूज्य श्री राज जी एवं गुरु
र स्वास्थ ठीक है। तथा आपको साष्टांग दण्डवत
हे है। आदरणीय [illegible] बजी भाई साहब
नकी गृहणी का आपको जयशंकर कहते हैं तथा
शिवर जी का भी जय शंकर कहते हैं।
भी गाडी के लिए लिखवाते प्रति योजी।
को लिखा कार्ड आया है जिसके
मैं जोधपुर जाना है यह परीक्षा
25|6|78 को होगी। मैं शुक्र
को प्रात: की गाड़ी से जा रहा हूं आप
की अनुकम्पा से अवश्य सफलता मिले
आपका आशीर्वाद है वहां सभी प्रे
को यहां से सभी का जयशंकर कहते हो।
शेष सभी आपके आशीर्वाद से
त्रुटियों के लिए क्षमा चाहता हूं।

आप अपने स्वास्थ्य के समाचार अवश्य
लिखा दिया करें। आपकी बड़ी अनुकम्पा

शेष शिव:

दासानुदास
ओमप्रकाश

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

20 INDIA

श्री सुभाष शर्मा
देवाभवन
(रेलवे लाइन के नीचे)
सोलन SOLAN
(हिमाचल प्रदेश)

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

आशुतोष शर्मा
भरतपुर
राजस्थान

पिन PIN

17/6/78

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

श्री

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भरतपुर
5.3.77

परमपूज्य श्री "श्री जी" महाराज के
पूज्यपाद चरण कमलों में
दासानुदास ओमप्रकाश का दण्डवत स्वीकृत हो।
काफी समय के बाद आज तक इन्तजार करने पर भी
आपकी कुशलता का कोई समाचार नहीं मिला
भी यहां पर पूज्य श्री ताऊ जी को काफी
हो रही थी लेकिन यह जान कि जब
श्रीमान रतनलाल जी का पत्र आने पर मालूम
हुआ कि आप ऐसे समय जम्मू विराज रहे हैं।
स्वास्थ्य तो अब बिल्कुल ठीक होगा
जलवायु परिवर्तन हो ही गया है।
[illegible] ताऊ जी का स्वास्थ्य भी ठीक ही है।
[illegible] 28 फरवरी की रात्रि को श्री धर्मेश्वर
[illegible] ट्रेक माह की ट्रेनिंग के लिए
गये हैं उन्होंने भी आपके लिए जयपुर के
लिखने के लिए कह गये थे। यहां पर
[illegible] दिनांक 3.3.77 को [illegible]
[illegible] आये हैं वह अब आपको
[illegible] रहे हैं मेरी परीक्षा का
[illegible] 23.2.77 को आया है

मैं उसमें फेल हो गया हूं और [illegible]
केवल एक ही पर्चा [illegible] हुआ है वह
जिसके पेपर मुझे कोई ख्याल [illegible]
अब मेरा मन नौकरी में नहीं लगता है
परेशान हो रहा हूं अब तो आप ही
मार्गदर्शन करें। अब मुझे कोई भी
[illegible] उमंग मेरे अन्दर नहीं रही है।
आत्मा कहती है कि कोई [illegible]
केवल चलती ही बस यही मेरा
रहा है, मैं क्या करूं मुझे अब
है कि मैं अपने जीवन में कुछ
कर नहीं। मैं आपको यह पत्र
[illegible] रहा था लेकिन [illegible]
इसलिये लिख दिया है, इससे [illegible]
ऊपर मैं डाल दिया। इसको [illegible]
आत्मशुद्धि का मूल [illegible]
श्री कैलाश नाथ सहाय एवं उनकी [illegible]
आपको साष्टांग दण्डवत कहते हैं श्री
पद्मनाभ शास्त्री जी एवं [illegible]
एवं श्री सियाराम जी [illegible]
आपको साष्टांग दण्डवत [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मैं नानाजी एवं बुआ जी आपके चरणों
में आपको दण्डवत करते रहे हैं
सभी मिलने वालों को नानाजी की ओर से
नमस्कार भी स्वीकृत हो
अपने स्वास्थ्य के विषय में हमें अवश्य
लिख दिया करें जिससे हमारे मन आश्वस्त
हो ही जाय
मुझे इन दिनों में आपकी बहुत
याद आती है, लेकिन मैं कुछ समझ नहीं
हूँ मेरी त्रुटियों को क्षमा कर देना।
शेष कुशल है सभी को मेरा
नमस्कार ज्ञात हो।

दासानुदास
ओमप्रकाश
५.३.७७

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

To
SHRI "SHRIJI MAHARAJ"
C/O SHRI K.K. Anand
18 A/B. First floor
Gandhinagar
Jammu (Tawi)
पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALL...
प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDR...

पिन PIN

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥श्रीः॥

भरतपुर
दिनाङ्क 3-1-1978

परमादरणीय एवं श्रद्धेय महामहिम महाराजजी की सेवा में अनन्त श्रीजयशङ्करजी के
चरण कमल की पावन श्रीगङ्गा-तीर्थ में पवित्र स्नान तथा कोटिशः जय-जयकार।

आपकी कृपा से मैं भरतपुर सकुशल पहुँच गया हूँ। जनता ऐक
15 (दोपहरोपरान्त) भरतपुर के लिये प्रस्थान किया था तथा भरतपुर 7.30 बजे पहुँची
ाङ्क 2-1-78 को आदरणीय श्री पण्डितजी महाराज के यहाँ गया। श्री चमेश्वरजी दि० 2-1-
5 बजे बरेली से आ गये थे। पण्डितजी का स्वास्थ्य अब ठीक है। आप अभी
ठहरे हुये हैं। श्री चमेश्वरजी ने श्री आज आपकी सेवा में पत्र प्रस्तुत किया
ेश्वरजी भी यहीं ठहरे हुये हैं। श्री जयपुर वाले पण्डितजी के केश का अभी
ा हुआ है। यहाँ के सब समाचार ठीक हैं। ठंड यहाँ भी पड़ रही है।

पुस्तक में धनराशि 202 रुपये 30 पैसे की है। आप जैसी आज्ञा देंगे
नुसार पालना करूँगा।

अवशिष्ट आपकी दया-दृष्टि है।

गत वर्ष समाप्ति तथा नव वर्ष ~~आगमन~~ आगमन पर आपके दर्शन-लाभ कर
ृतकृत्य हो गया।

आपको पुनः बारम्बार नमस्कार नमस्कार है।

श्रीमान् बाबूजी तथा उनके समस्त परिवारीजनों को यथायोग्य जयशङ्कर की ज्ञात हो
त सज्जनों को भी यथोचित जयशंकर ज्ञात हो। श्री रतनलालजी एवं श्री पण्डितजी श्री भव
सपुत्र महोदय (सम्भवतया श्री रविशंकरजी) को जयशंकर ज्ञात हो।

आपकी कृपा का ...
आपका अपना
[signature]
(छोटेलाल

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

सेवामें

श्री श्रीजी महाराजजी C/o
श्री सीतारामजी,
B 66, मोती बाग II (सैकण्ड),
नई दिल्ली (NEW DELHI)
पिन PIN

FIRST FOLD
पहला मोड़

प्रेषक
छोटे लाल
CHHOTEY LAL
SANTOSH SADAN MATHURA
GATE BHARATPUR (R
पिन PIN 321001

बुखार !
हो सकता है मलेरिया ही हो !
क्लोरोक्विन गोलियां लें

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

||SHRI||

Bharatpur
Dated 29th June, 1978
Thursday.

।में

परमादरणीय एवं श्रद्धेय श्री महाराजजी के श्रीचरणारविन्दों में साष्टाङ्ग प्रणाम एवं कोटिशः
शङ्कर जी की ज्ञात हो।

आपकी परम कृपा से सब कुशल पूर्वक हैं।

मैंने आपकी सेवामें पूर्व में एक पत्र प्रेषित किया था जो सम्भवतः आपको प्राप्त हो गया होगा। अब श्री भगवान् की कृपा से आपका स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा। आदरणीय पण्डितजी के यहाँ मुझे ज्ञात हुआ है कि आपका स्वास्थ्य ठीक है। मुझे यह जानकर अत्यन्त खुशी हुई। मेरा तो आप श्री भगवन् से यही प्रार्थना है कि आप स्वास्थ्य ठीक रक्खें। यह सब आपकी अपनी मौज है—, अपनी सामर्थ्य व इच्छा मात्र है। जगदम्बा से यही है कि आपका प्रकाश हमें सदैव मिलता रहे तथा अन्त में आपके अपने स्वयं में लय हो जायें। आपकी मेरा मात्र दया से सर्व सम्भव है। आपको बारम्बार प्रणाम - प्रणाम है।

अबकी बार अधिक व्यस्तता के कारण आपकी सेवामें नियमित रूप से पत्र आदि तक नहीं रह सका। इसके लिये मुझे खेद है। आप कृपा करेंगे एवं शक्ति देंगे, क्योंकि आप सर्वशक्तिमान हैं तथा आप कृपा अवश्य करते हैं। यह मेरा पूर्ण विश्वास है और मुझे अवश्य सान्त्वना देंगे — उठायेंगे — कृपा व दया से निहारेंगे। पुनः आपको अनन्त जय जय शंकर ज्ञात हो।

पिछले कुछ कई दिनों से पण्डितजी की तबीयत ठीक नहीं थी। अब ठीक है तथा उनका आपको जयशंकर की ज्ञात हो।

यहाँ से सब सज्जनों व मिलने वालों का जयशंकर की ज्ञात हो।

यहाँ भी वर्षा प्रारम्भ हो गई है। गर्मी अभी बहुत है। कई वर्षों से पहले

शेष आपकी कृपा है।

आपका अपना वत्स
[signature]
(छोटेलाल) 29/6/78

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

सेवामें

श्री श्रीजी महाराज C/o श्री सुभाषजी शर्मा
दया॰ भवन, निकट रेल्वे लाइन
सोलन (SOLAN)
(हिमाचल प्रदेश)

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

CHHOTEY LAL,
Shri Santosh Sadan, Mathura Ga
Bharatpur.

पिन PIN 321001

भरपूर फसल के लिये...
जी.एस.एफ.सी. यूरिया
गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स कंपनी लिमिटेड

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥श्रीः॥

भरतपुर
दिनाङ्क 23।9।81

सेवामें

परमादरणीय श्री भगवन् महाराजजी

आपके श्रीचरणारविन्दों में ढोक एवं करबद्ध प्रार्थना स्वी
पूर्व निर्धारित तिथि पर दिल्ली आकर आपके दर्शन नहीं कर सका और न ही सूच
सेवामें पत्र-प्रेषण ही कर सका। अतः मुझे क्षमा करने की कृपा करेंगे। इसके लिये
दया-दृष्टि अवश्य होगी।

श्री महाराजजी! दिल्ली न आने का प्रमुख कारण राजकीय
की देखभाल तथा उसके चार्ज लेने के थे। अभी सम्पूर्ण चार्ज सम्भलवाया नहीं
आपकी कृपा से शीघ्र ही सम्भाल लूँगा। नयी जुम्मेदारी की व्यवस्था ठीक होने पर
दर्शन के लिये तुरन्त ही चल दूँगा। आपकी अपनी कृपा है, जब आप दर्शन देंगे,
उपलब्ध हो सकेंगे। आपको पुनः बारम्बार नमस्कार तथा कोटिशः जयशङ्कर की ज्ञात

मैं पण्डितजी के घर पर गया। उनके समाचार ठीक हैं। रोगोपचार कर
और शरीर से तो अस्वस्थ हैं ही हैं। उनकी भी आपके दर्शन की बहुत अभिलाषा थी, लेकिन
अस्वस्थता के कारण असमर्थ हैं। उनका यथायोग्य जयशंकर की मालूम हो।

श्री सम्पूर्णदत्तजी पण्डितजी का भी यथोचित जयशंकर मालूम हो। उ
पिताजी का निधन दिनाङ्क 2-9-81 को हो गया था।

शेष सब आपकी कृपा है।

माताजी पिताजी एवं घर के सभी बच्चों का यथायोग्य जयशंकर-ढोक ज्ञात हो। गृहणी
ढोक एवं जयशंकर मालूम हो। सेवार्पित। आपका ही — [illegible] 9.81.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत 25 INDIA

सेवामें 23/9/84

श्री श्रीजी महाराजजी C/o
श्री सीतारामजी, B 66 साउथ मोतीबाग
(साउथ नं० 2)
नई दिल्ली (NEW DELHI)

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :

छोटेलाल,
श्री सन्तोष सदन, मथुरा गेट,
भरतपुर (राज०)

पिन PIN 321001

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥श्रीः॥

भरतपुर
दिनाङ्क 10-7-75
गुरुवार

सेवामें

परम श्रद्धेय श्री श्रीजी महाराजजी के पावन चरणकमलों में करबद्ध प्रणाम ज्ञात हो।

आपका श्री रतनलालजी के माध्यम से प्रेषित पत्र आदरणीय पंडितजी के यहाँ पढ़ा। आपके पैर के जख्म की स्थिति के बारे में पढ़कर अति दुःख हुआ। पैर की पीड़ा शीघ्र ही ठीक होने के लिये आपकी ही आज्ञा से विशेष प्रार्थना आज रात्रि से ही प्रारम्भ कर रहा हूँ। आप भगवन् को स्वीकार हो। आप यहाँ हाथ की गिल्टी से परेशान थे। यह पीड़ा भी जगदम्बा शीघ्र ही दूर करेंगी। इसमें आप स्वयं की इच्छा मात्र ही है। आप सर्व सामर्थ्यवान् हैं।

आपकी आज्ञा से ही दिनाङ्क 17-7-75 तथा 23-7-75 के पुण्य एवं कल्याणकारी पर्व के शुभ अवसर पर विशेष पूजा, प्रार्थना आदि रक्खूँगा। शेष आपकी कृपा है।

इस पत्र से पूर्व दो पत्र श्री बलजिन्नाथ जी शास्त्रीजी के पते से सेवामें प्रस्तुत कर चुका हूँ। आपको मिलने का कोई समाचार नहीं है।

यहाँ पं०जी ~~ठीक~~ सकुशल हैं। श्री चरणीचरजी भैयाजी, बल्लोजी भैयाजी तथा सुश्री अनसुइयाजी का शुभ विवाह आपकी कृपा से निर्विघ्न सम्पन्न हो गये हैं।

इस सत्र में मैं पुनः पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ से बी०ए० अर्थशास्त्र केवल की परीक्षा देना चाहता हूँ। आपकी पुनीत आज्ञा चाहता हूँ। यदि कोई विश्वविद्यालय कार्य में कोई प्रेमी सज्जन हो तो दयाकर लिखवाने की कृपा करें।

यहाँ वर्षा 62.21 मिलिमीटर औसतन हो चुकी है, लेकिन गर्मी पूर्ववत ही है।

श्री पं०श्री का कोटिशः प्रणाम स्वीकार हो। अन्य समस्त प्रेमी सज्जनों का भी प्रणाम ज्ञात हो।

आपका अपना ही —
(हस्ताक्षर) 10/7/75
(छोटेलाल)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

सेवामें

श्री श्रीजी %पं॰श्री जवाशङ्करजी
सोहना (SOHANA)
निकट चण्डीगढ़ (CHANDIGARH)

पिन PIN

पहला मोड़ First fold

तीसरा मोड़ Third fold

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

पिन PIN

1/12/78

इसे पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

TELEPHONE NO. TELEGRAM : JAIN

N. L. JAIN & SONS.

BUDHKIHAT

BHARATPUR (RAJASTHAN).

Date 196

अनन्तश्री पूज्यपाद श्री बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत: कुशलमस्तु।

अभी २ पत्र मिला, उत्तर में निवेदन है कि मैं श्री ज्योतिषीजी महाराज विशेष कार्य के कारण सोमवार को श्री चरणों के दर्शन करूँगा अत: यह प्रार्थना है कि सोमवार तक वहीं विराजें।

श्री जैन सा. का प्रणाम स्वीकृत हो ये कल यहां आगये हैं इनका स्वास्थ्य भी अभी अच्छा नहीं है।

श्री मनोहरलालजी गत कल हस्पताल दाखिल होगये हैं ऐसा श्री शरणजी ने लिखा है, दोनों का प्रणाम स्वीकृत हो।

श्री लक्खोजी ने भी अभी खाट नहीं छोड़ी है, उनका प्रणाम स्वीकार हो।

श्री सम्पूर्णदत्तजी भी भरतपुर ही हैं चौलपुर भी वे सन्तुष्ट नहीं है। शेष मिलने पर प्रत्यक्ष में। आपका

मिश्र गोविन्द

मैंने एक पत्र यहां से और भेजा था वह नहीं मिला उसमें २००) रु. श्री वरकलेजी को भेजदिये हैं यही विशेष बात थी। श्री पुरोहितजी भी अस्वस्थ हैं। श्री रामस्वरूपजी प्रणाम कहते हैं

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

संसार पङ्क निमग्न समुद्धरण पण्डितायै नमः

जैपुरसे श्रीहरिशास्त्री, एवं श्रीरमानन्दजीने प्रणाम लिखे हैं

पहला मोड़ First fold

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

EXPRESS DELIVERY

V. D.

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

तीसरा मोड़ Third fold

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

दूसरा मोड़ Second fold

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आगये होंगे

यहां श्री लक्खोजी बीमार हैं [illegible] ज्वर तो कम है पर छातीमें [illegible] होगया कलसे

पहले पत्रमें मैंने प्रेस लगानेके बारेमें लिखा था यदि आप उचित समझें तो ठीक ही रहेगा, श्री गो[illegible]राज शरणजी आर्थिक सहयोग देनेको उद्यत हैं। अब तक कोई पारखजी का दूसरा पत्र तो आया नहीं आज कल बचार रहे हैं यदि उचित हो तो लिखें मुझे चिन्ता की कोई बात नहीं सब ठीक होगा। केवल आपकी चरण कृपा बनी रहे यही कामना है। शेष कुशल है। आपका -

गोविन्द

आज श्री पं० परशुरामजी का पत्र मनोहरपुर से आया है उन्हीं की लिखी पंक्तियां लिखता हूं [illegible] लिखते हैं कि "श्री महाराजश्री [illegible] अब आनन्द रहते हुए सम्भवत क्यों होने जा रहे हैं। कहां तो वे योजनायें बहुत शीघ्र कार्यान्वित होनेकी आशा हृदय में लहरें लगाती थीं और कहां वे अब सब मनोरञ्जन की सी बातें हो गई। श्री स्वाध्याय प्रकाशन, ब्रह्मशक्ति पत्रिका का प्रकाशन और श्री कैलादेवी महाविद्यालय, और ब्राह्मणसमाज का संगठन आदि कार्य क्या कल्पना तक ही सीमित रहेंगे श्रीजी महाराज के चरणों में साष्टाङ्ग प्रणाम के साथ ही सबका उत्तर पाकर आप अपनी सम्मति सहित सूचना देनेकी कृपा करेंगे। आगे कुछ पंक्तियां लिखनेके पश्चात् उन्होंने लिखा है कि "मेरे विचारों में अनेक प्रकारके उथल पुथल है जैसा कि भावे जात के कार्यक्रमके विषयमें आपसे जानकारी चाही है। समय बड़े वेगसे दौड़ रहा है मेरे अन्दर सुस्ती बढ़ी हुई है। मकान भरतपुर बेचना चाहते हैं। इत्यादि। शेष कुशल है।"

यह विचार थोड़ा है। श्री विश्वम्भरनाथजी को प्रणाम [illegible]।

सब को मेरा दण्डवत [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री : । चौबुर्जी - भरतपुर
१८-१२-६२

अनन्त श्री सर्वतन्त्र स्वतन्त्र पूज्यपाद श्री बाबा
महाराज के चरण सरोरुहों में कोटिश: प्रणाम
स्वीकृत हों । सर्वत: कुशलमस्तु / पहले जैपुर
से विस्तृत पत्र लिखा है मिला होगा, मैंने
श्री पं० रामचन्द्र जी शास्त्री वर कलेको यहां आकर
गतकल २००/ रु. का मनीआर्डर करादिया है
यह इसी विचार से लिखरहा हूं कि आप
और न भेजदें, यदि आप और आगे के
भेजना उचित समझें तो जैसी इच्छा हो ।
श्री मनोहर लाल जी का इलाज जैपुर
होरहा सौ. लाली वहां ही है ।
आज श्री नदी प्रसाद जी से आपके आने के
समाचार मिले हैं संभवत: आप देहली

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

POSTAGE

BHARATPUR

10 NP INDIA नप

...म

...जी॥

भेजने वाले का नाम और पता :-

13/9/58

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

Bombay

तीसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

3/9/58

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Bhagwan Das ~~DALIP CHAND GUPTA~~,
Tilak Ram Ram Bux
Cotton Factory,
Lehra Gaga (PEPSU)

Dated 6th May 1953

श्रीमान पूज्य पात गुरुजी महाराज

आप का पत्र तीन मई का लिखा हुआ आज अभी मिला। जिस के लिए धन्यवाद करता हूं। इत्तफाक से आज भी का बाबू भागीरथ लाल और श्री पंडित चानन रामजी यहां पर नहीं हैं। परन्तु आशा है कि वह दोनों ही श्याम तक जरूर लौट आयेंगे

आप का पहला पत्र भी हर दम मेरे साथ रहता है। मैंने अपनी जेब में रखा हुआ है। और जब वस्त्र ~~बद~~ बदलता हूं तो उसे जेब में से निकाल कर दूसरी जेब में डाल लेता हूं। इस पत्र को पहले पत्र के साथ अब शामिल कर लिया है। उम्मीद है यह पत्र मुझे दिल को धीरज रखने में मदद देगा। यदि आप ऋषीकेश चले जायें या किसी और स्थान पे तो कृपा कर के अपना अडरैस जरूर दें। मैं यदि पंडित चानन राम रजामंद हुए तो आप के दर्शन करने कि अभिलाषा रखता हूं। अभी चरनी ~~B~~ ~~न~~ गरमी आशा है तीन

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

महीने और पडेगी। गर्मी निकल जाने के बाद यदि मै किसी मजबूरी से आप दर्शन न कर सका आशा रखता हू कि आप हरिद्वार से लौटते हुए देहरागगा मे अवश्य दर्शन देंगे।

कोई सेवा हो लिखे।

दास भगवानदास

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री जैन साहब ने प्रणाम लिखने को
कहा है मैं और वे गत कल वृन्दावन
श्री ब्रह्मचारी जी के समीप गये थे
थे उन्होंने पुरुषोत्तम मास में भरतपुर
आने को कहा है मैं ने उनसे यह भी
कहा था कि वृन्दावन में किसी अन्य
स्थान पर निवासादि की समुचित
व्यवस्था की जाय तो उन्होंने यही
कहा कि अक्षय तृतीया के दर्शन
को ७-८ भी तक हमारे परिचित
कोई सज्जन हैं वे चले जायेंगे
उसके बाद ही, एक, दो बार उन्हो
ने यही कहा कि मैं पुरुषोत्तम मास में
ही कहीं बाहर ~~[illegible]~~ आ आ सकूंगा।

श्रीराजकुमारी जी नमस्ते कहती हैं।

श्री गिरिराज शरण जी सम्भवतः मुम्बई गये हैं
उनका पत्र मुझे यहां आकर मिला है
श्री रमानन्द जी का कोई पत्र आपके समीप
आया था नहीं मेरे पास तो कोई पत्र नहीं
आया है।

श्री सम्पूर्णदत्त जी का पत्र आया है उन्होंने
अभी तक सप्तपदी की व्याख्या पूर्ण नहीं लिखी।

अभी H.H. के विवाह के बारे में पूर्ण
रूपेण निश्चित नहीं हुआ है, सुना है
"सर्वारम्भाः तन्दुलप्रस्थमूलाः" के अनुसार अभी
निश्चय नहीं है वे देहली गये हैं।

शेष कुशल है कुशल पत्र अवश्य
शीघ्र देते रहें। आपका - गोविन्द:

सभी को जय गोपाल कहें।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीः। चौकुर्जी-भरतपुर
१४-४-६१

अनन्त श्री विभूषित सर्वतन्त्र स्वतन्त्र करुणा वरुणालय "श्री" पाद पद्मों में कोटिशः साष्टाङ्ग प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशलं सत्यं शिवं सुन्दरमेव च। गत कल श्री लक्खो जी के पधारने पर स्वास्थ्य सुधरने के समाचार सुनकर प्रसन्नता हुई, यह जानकर और भी प्रसन्नता हुई कि प्रसन्न मूर्ति श्री जय जय रामजी श्री चरणों के समीप आगये हैं। उन्हें भी सादर सप्रेम जयश्रीकृष्ण कहें।

वै. कृ. १० सोमवार से ही श्री पं० रामचन्द्र जी पटेल द्वारा मृत्युंजय जप आरंभ करा दिया है। श्री बाबूलाल जी ने प्रणाम कहे हैं उन्हें अब ज्वर तो नहीं है खांसी है।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:। चौबुर्जा-भरतपुर
१४-४-६१

अनन्त श्री विभूषित सर्वतन्त्र स्वतन्त्र करुणा वरुणालय "श्री" पाद पद्मों में कोटिशः साष्टाङ्ग प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशलं सत्यं शिवं सुन्दरमेवच। गत कल श्री लक्खो जी के पधारने पर स्वास्थ्य सुधरने के समाचार सुनकर प्रसन्नता हुई, यह जानकर और भी प्रसन्नता हुई कि प्रसन्न मूर्ति श्री जय जय राम जी श्री चरणों के समीप आगये हैं। उन्हें भी सादर सप्रेम जयशंकर कहें।

वै. कृ. १० सोमवार से ही श्री पं० रामचन्द्र जी पटेल द्वारा मृत्युंजय जपारम्भ करादिया है। श्री बाबूलाल जी ने प्रणाम कहे हैं उन्हें अब ज्वर तो नहीं है खांसी है।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ भरतपुर ॥ ॥ॐ॥ ॥ कोठी गुलजार बाग ॥

॥ सेवागते ॥ ॥ ता: २८/६/४६/ ॥

पूज्य १०८ श्रीमान् नाना महाराज के ।

चरण कमलों में । मेरी सतनाम कुमार की बहोत २ डन्डोत मालूम हों । आगे आपकी क्रिपा से सब कुशल पूर्वक हैं । और आशा हैं । की आप भी कुशल से होंगे । दोनों कुंवर साहब और बीबा सा(?) की सेवामें बहोत २ डन्डोत अर्ज करते हैं । आगे पत्र मैं निवेदन हैं । कि नाना महाराज आपके कहने से मैं तो अलवर नहीं गई थी और आप भी बहोत(?) दिन पिछे ये हुआ की पूज्य १०८ श्रीमान रावजी साहब ने शराब भी फिर पिना शुरू करदिया था और मिसचरीमें(?) से भी गोर आये थे पन्डित गोविन्द जी ने तो बहुत भी बहोत किया था मगर रावजी साहब ने एक भी नहि मानी जब रावजी साहब ने मानी नहीं तो पन्डित गोविंद जी ने भी कोठी का आना छोड़ दिया था अब आखीर मैं ये हुआ की पूज्य रावजी साहब दो धोती और दो कमीज और एक कमर(?) और एक तोलीया और २००) रुपया लेकर कहीं चले गये हैं । और किसी से कुछ नहि कह गये हैं । और १८-६-४६- की रात को गाड़ी से गये हैं । आज रावजी साहब को गये १० दिन होगये हैं । मगर अभी तक कोई पता नहि है । अच्छा फेर रावजी साहब ने चलती गाड़ी में से एक चिट्ठी प: गोविन्द जी को भेजी थी । उसमें लिखा था की इनसान अकेला ही दुनिया में आता है । और अकेला ही मरता है । और मैं बहोत अच्छी तरह से रहुगा आप मेरा कुछ फिकर नहि करें । बस ये बात लिखी थी । इस खत को पढ़ते ही

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

प: गोविन्द जी और सुखराम मुझे आइनर से लेने आये और मैं ता: २८ को भरतपुर आगई हूँ। अब बताओ बाबा महाराज मेरे लिये क्या हुकम है। मैं अब कौन तरह से इन बच्चों को पालू अब इस महीने से खान पान भी बन्द हो जायगा और रामजी सहाय जी [illegible] नौकरी छूट [illegible] [illegible] भी उन्होंने रियासत से नौकरी छूट गये हैं। बाबा महाराज मैं तो अब ये समझ रही थी की भी रामजी सहाय अब आपके संग काफी दिन रह चुके हैं। और [illegible] भी यहां आये हैं। और बाबा [illegible] रहने से सब स्वभाव आदत [illegible] जायगी इसी वजह से मैंने आपसे कुछ बताती [illegible] नहीं [illegible] बाबा महाराज [illegible] आप [illegible] [illegible] [illegible] मैं [illegible] भी नहीं [illegible] [illegible] रामजी [illegible] ठीक ढंग पे आ जायेगें प: गोविन्द जी से और इसकी का चिट्ठी पढ़ लेगी और स्वभाव [illegible] [illegible] इसी उनके मारे ने चढ़ गये हैं। अब आप बाबा महाराज और [illegible] कोई उपाय बताओ की अब मैं क्या करू अब मेरा तो कोई कसूर है नहीं है। मैं [illegible] रहती रहूँ और क्या करू मेरे लिये क्या हुकम है। और बाबा महाराज मैं तो आप के ऊपर हूँ अब भी रामजी सहाय की आदतें को आप ही सुधार सकते हैं [illegible] [illegible] आदत ठीक करोगे और आपई रामजी सहाय को भरतपुर लाओगे और जाहा मैं आपको क्या कह सकती हूँ। और बाबा महाराज जब के आप मेरे कहने से एक दफे भरतपुर और हो जाओ फेर कभी आना था नहीं मगर अबके मेरी दिल इच्छा है [illegible] [illegible] आप भरतपुर लेकर आओ और मैं उम्मेद करती की आप जरूर ही आवें जी। और [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

टोंक
ता. ८-१०-५९

आदरणीय श्रीमान् मिश्र जी

सादर प्रणाम अत्र कुशलम् तत्रास्तु। अपरंच आपका दिनांक
३/१०/५९ का पत्र आज प्राप्त हुआ मैं कल ता. ७/१०/५९ को शाम को जयपुर से ही आया हूँ
अभी तक कुछ नहीं हुआ है श्री गिरिराजप्रसाद जी से भी मैं मिला था आशा है ता. १६/१०/५९ तक
कुछ हो जावे इसी कारण मैं भरतपुर भी न [illegible] गया हूँ और अब जाने का विचार भी नहीं
है - श्री गिरिराजप्रसाद जी को पुनः श्री [illegible] रूप जी द्वारा याद दिलाने के लिये कह
आया हूँ वैसे उनका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं [illegible] फिर भी उन्होंने वायदा [illegible]
है अवश्य याद दिला दूंगा - हो सके तो [illegible] बिरजी शाम जो पुलिस [illegible]
[illegible] पं. तोताराम जी को पुनः ख्याल दिलवादें तो शायद जल्दी [illegible]
रहने के ख्याल से तोताराम जी से काफी कह कर आया हूँ और गिरिराजप्रसाद [illegible]
कहने के लिये कह आया हूँ श्री गिरिराज [illegible] जी से भी मिला था।

और [illegible] ठीक नहीं [illegible] रहते हैं चिन्ता की [illegible]
होकर [illegible] खांसी वाली शिकायत [illegible]
[illegible] गी / खांसी की शिकायत -

[illegible] को बराबर स्वर्ण ज्वर [illegible]
खांसी और क्षीणता भी हो [illegible]
--- तो क्यों २-३ दिन [illegible]
--- का नहीं [illegible]
[illegible] नहीं है?

हुए क्योंकि सब सकुशल [illegible] नहीं आया है वैसे [illegible] मैं मुझे [illegible] हालात
पर भरतपुर के [illegible] समाचार भी मिलना दिये हैं कि मैं ज्यादा
यहां कार्य भी काफी है [illegible] होने के कारण नहीं आ रहा हूँ इसे
जाना बंद किया [illegible] २०/५९ में जयपुर की कार्यवाही से
होती है [illegible] जाने में भी दिक्कत
नौकरी का मामला है [illegible] नहीं हो पाता है लेकिन
[illegible] की चिन्ता

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

CLOCK TOWER
9 OCT 59

POSTAGE 10 NP INDIA १० न.पै.

8/10/59

1-K/20.
FARIDABAD (H)

पहला मोड़

दूसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

INSPECTOR (E)
Cooperative Societies,
Tonk

INTALI
10 5
30 AM

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आयुर्वेद आश्रम
लायलपुर।

श्री पूज्य महात्मा जी महाराज!

सादर प्रणाम, जब से आप गये हैं आप की ओर से कोई समाचार प्राप्त नहीं हुआ। आपके वियोग को बहुत अनुभव करता हूं। कृपया शीघ्र दर्शन देकर अनुग्रहीत करें। बहुत दिनों से शरीर की अस्वस्थ रहता है। आपके सतसंग से जो लाभ प्राप्त हुआ वह अकथनीय है। आशा है कि वहां आपका मन लगा हुआ होगा। दास को भूलें नहीं और कहीं पहाड़ पर जाने से पूर्व यहां कुछ दिनों के लिए अवश्य पधारें।

मेरे योग्य कोई सेवा:—

आपका दास
[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री मान जी के [illegible] कुछ सुस्ती
हो लग गई है। खांसी में [illegible]
नहीं लगता और मन में भी कुछ
कष्ट सा प्रतीत होता है तो आप के
द्वारा बताये हुए काम को अभी से
करती हूँ। अगर और उचित इस
समय के लिये कोई नुसखा भेज
दें को अत्यन्त कृपा होगी। मेरे योग्य
कोई सेवा हो तो लिखना उस को
भूलें नहीं हम सब की तरह से
जय शंकर

१ श्वास कुठार रस
मधु से गोलियां
=
(२) सोमलता क्वाथ ६ मासे
मधु मुलेठ्यादि क्वाथ = ६ मासे
दूध के साथ इस की चाय बना कर
प्रातः सायं इस का सेवन करें।
नीचे वाला नुसखा कष्ट समय नहीं
किया =
चिन्तामणि रस
मधु से
दो मात्रा
प्रातः सायं
=
(४) दशमूलारिष्ट
भोजन के बाद [illegible]
प्रातः [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

... मौजूद ...

... स्वरतुल्य महाराज

आप के चरणों में हाथ जोड़ कर प्रार्थना

निवेदन यह है कि आप का कृपा पत्र मिला

... पढ़ कर कि आप अभी नागपुर

... । आप से हाथ

जोड़ने से

... में आवे

उस ने स...

में केवल ... नहीं है ... से दो तीन दर्द

और में बहुत है । और यह नुसखा

जो रूनी बारामती से मिल सकता है ।

यहां का सब प्रकार से कुशलता है ।

... आशा ... कार्य

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

[illegible]

भाई सूरत आकर मिला था उससे सब कह
दिया था अब उनका भी उत्तर प्रत्यक्ष में ही
मिलकर ले आवेंगे अथवा मुझे भेजेंगे
मैं और श्री लक्खो जी कल रात की ट्रेन
से अथवा परसों जनता से देहली श्री
राज कुमार जी के विवाह में सम्मिलित
होने जारहे हैं सम्भवत: गाड़ी भी जाय
यत: मार्ग शिर शुक्ला १० रविवार ता. १ 12/58
का गायत्री की पुत्री शीला का विवाह है
उसके लिये हमें बरेली जाना होगा अत:
इन्दें देहली मोहिनी जी के छोड़ कर बरात
वापिस आकर बरेली चला जाऊंगा।
वहां से ४-५ ता. तक आना होगा।
श्री कस्तूरी लाल जी को ता. २-११ का
लिखा पत्र कलकत्ता से आया था उन्हें
भी आपके पत्र के साथ ही उत्तर लिख
चुका हूं यह समाचार कलकत्ता वाले पत्र
में लिख चुका हूं। आज श्री रघुनाथचन्द्र

श्री बाबू हरिरामजी को भाऊ: सुपौत्रिका सादर सस्नेह जय शंकर

जी शास्त्री का पत्र आया है, उन्होंने लि
कारणों के कारण श्री श्री विंशति का श
विशुद्ध प्रति न भेजने की असमर्थता प्र
अपने को लज्जित होकर क्षमा प्रार्थना की
और स्वयं लिखकर भेजने को लिखा है

श्री पं० उमा शङ्कर जी का भी पत्र आ
उनकी सौ. का कुमारी का सम्बन्ध भी आ
नुसार कालका भाद्र. ३) ८ को निश्
दि[illegible]या १०१) नकद ॥५। सेर मोदक
फलादि सब ठीक करदिया है।

श्री गिरिराज शरण जी का ता. २-११
बड़ा लम्बा चौड़ा विस्तृत पत्र आया है
उत्तर अभी नहीं दिया है व्यवहारिक
बातों में पत्र में सार यह है कि D. F. O
उनके विरुद्ध जानेका २ लिख मारा है।
शेष सब कुशल है आप कुछ चिन्ता न करें
मों तो सब विश्व की चिन्ता आपको ही है
आपके जाने के पीछे इनदिनों यहां बुद्ध जल
इतना दूषित रहा कि सभी घर वालों को ज्वर
काम रहा है मैं भी अभी स्वस्थ नहीं / शेष
गोवि

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:। भरतपुरत: २०-११/५७
रात्रौ ७ बजे

अनन्त श्री विभूषित आचार्यचरण
की पुनीत सेवा में दासानुदास गोविन्द के
कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुश-
लमस्तु। आज अभी पत्र मिला पहले पत्र का
उत्तर ता. ९-११-५७ को करनाल भेज चुका हूं
यतः आपने लिखा था कि "सम्भवतः कल
करनाल जाना होगा" इस विचार से
वहीं ही लिखा अस्तु श्री जैन साहब पुनः
सूरत गये हैं पहली यात्रा में उन्हें वह
व्यक्ति मिल गया था जिससे उन्हें व्या-
पार में रुपया लगवाना है उसने पूछा-
था कि क्या स्कीम है रुपया किस कार्य
किस तरह लगाना है इत्यादि। भू निधि
के बारे में वह व्यक्ति तो उन्हें नहीं मिला
जिससे रुपया लेना है उसका छोटा
कृ. पृ. प.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री। भरतपुर ता. २६-६-४७

अनन्त श्री पूज्य पाद ... महाराज के पुनीत पादपद्मों में
चरणों में ... गोविन्द के अनेकशः प्रणाम स्वीकृत हों।
सर्वतः कुशलमस्तु। आज ५-६ दिन की आपके पत्र की प्रतीक्षा के
अनन्तर पत्र लिख रहा हूं आपने अपने पहुंचने का पत्र क्यों नहीं लिखा
क्या कारण है कृपया कुशल पत्र देने का कष्ट अवश्य करें।
यहां की स्थिति प्रतिदिन भयानक होती चली आ रही है।
मेवात के उपद्रव बढ़ते ही जा रहे हैं अनुमानतः ६० गांव
भस्मीभूत हो चुके हैं सीकरी में कत्ले आम हुआ है
जिसमें सब हिन्दू ही हिन्दू काम आये हैं अलवर राज्य में
दैमाहे नामक मेवों का ग्राम ... में भी कत्ले आम
हुआ है यहां पर सिवाय ८ स्त्रियों के और कोई भी नहीं
नहीं बचा खेरली के समीपवर्ती अरव गढ ग्राम जला
दिया नदबई और कामा खाली हो चुके हैं
नगर भी जन रहित हो गया है भगवान क्या इच्छा
है। आपके बारे में भी H.H. ने मालवीय से
कहा था कि कोई प्रदेशी ... आया हुआ P.T.O

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

है, न मालुम उलसे क्या २ कराना है अस्तु
आपको यहां से पधारना भी उस द्रष्टि से
अच्छा ही हुआ। श्री हरदेव जी को रु. के लिये
पत्र आया है श्री पुरोहित जी परिस्थिति वश
सपरिवार बाहर चले गये हैं। श्री कन्यालाल
जी की भाभी की मृत्यु होगई है तथा स्वयं रुग्ण हैं
उन की परिस्थिति अकल्प आतिने की है। समझ में
नहीं आता है क्या करूं। गैर वाली बालों की
उस बालक की छोटी २ वर्षीय कन्या और समाप्त
हो चुकी है। उससे छोटा बालक भी बीमार है
अब कुछ बेहतर मालुम होती है। रवि, सोम, आपकी
चरणों की कृपा से ठीक निकल गये हैं रातदिन
भारी २ आशंकाये बनी रहती है। अभी २ कुम्हेर
के लूटे जाने के समाचार मिले हैं। कृपया पत्र
अवश्य दीजिये वहां का जल अनुकूल आगया
होगा। श्री नन्द्र बिहारी लाल जी ने सादा जयशंकर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

हृदय में बातें बहुत है लिखी नहीं जाती कृपा रखियेगा आपका।

गोविन्द

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पधार रहे हैं। यदि उचित हो और इच्छा हो तो
यहां पधारें यहां से मैं और आप साथ पर ही
चलें १-२ दिन में यहां भी कोई बात नहीं है
२-३ पत्र मैं गीता भवन भी भेज चुका हूं
गत ता. १२ की रात्रि को श्री १-५ मारू के यहां
चोरी हो जाने से तथा वर्तमान परिस्थिति के
कारण श्री मारू की स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं है
आँखें बहुत जोरों से दुख रही हैं शीघ्र मिलने पर
मेरे यहां आज कल जमुना प्रसाद जी हस्तरेखा के
योग्य विद्वान् रहे हुए हैं वह मेरे लिये डालमिया-
के यहां की कागज की एजेन्सी दिलवाने का प्रयत्न है।
रु. की आवश्यकता है और सीमेन्ट की एजेन्सी के
लिये भी कहते हैं यह बात ११ वर्ष पूर्व भी जब यहां
आये थे तब भी इन्होंने मुझ से कही थी ऐसी आशा है
यह आपके दर्शनों के भी अत्युत्सुक हैं। इनकी
इच्छा तो मुझे आज भेजने की ही थी किन्तु गत रात्रि मुझे
भी ज्वर रहा है अतः वैद्य जी की अनुमति नहीं है
अभी २ श्री धनेश जी द्वारा ज्ञात हुआ है कि श्री महेश
जी यहां [illegible] हैं / [illegible] जी का—

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:। भरतपुर मार्ग शु. ८ शनौ
सं० २००८

अनन्त श्री:

पूज्य पाद श्री बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दास के कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों। गत परसों रात्रि को श्री हरदेव जी का पत्र मिला कल उत्तर इस कारण नहीं दिया कि मैं आज की गाड़ी से श्री भाबी जी को लेकर आरहा था किन्तु आज मौसम एक दम यहां का बदल गया वृष्टि के कारण शीत अत्याधिक होने से रुग्णा को किस तरह लाया जाय दूसरे गत कल श्री चन्द्रेश जी ने जो औषधि बदली है उससे आज ज्वर भी कम है अत: मैं आज यहां से न आसका और भाबी जी का विचार भी ३-४ दिन और रहने का होगया है। धौंरही अब तक न पँहुचने का कारण यह है कि कन्नौज से व्यापारी डेरा लगाने वाले गत परसों ही आये हैं उन्हीं के कारण विलंब था श्री महेश जी के समीप कल तिवे को श्री चन्द्रेश जी स्वयं जा रहे हैं ३-४ दिन में आशा है धौंरही का सब प्रबन्ध ठीक होजायगा यदि वहां चित्त नहीं लग रहा हो तो आप वृन्दावन पधारें और मुझे पत्र दें ताकि उसी दिन मैं वहां पँहुच कर उचित प्रबन्ध करदूं हमारे ... २५ को बम्बई

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भरतपुर

ता: ६८-१२-४७

श्री बाबा महाराज के चरण कमलों में मेरी साष्टाङ्ग प्रणाम पहुँचे। आपकी कृपा से सब राजी खुशी हैं। यहाँ पर मेरे और सबों के खाज होगई है। आप कृपा कर देवदारू का तेल भिजवादें। मेरे और पित्रा के बहुत जोर से है।

गुरुदेव परसों आगये हैं। यहाँ पर खूब सर्दी पड़ने लग गई है।

यहाँ के समाचार बहुत बुरे हैं क्या किया जाय। आप आज्ञा देवें तो मैं आपके पास आजाऊं।

सब बच्चे व रानी साहब आपके श्री चरणों में साष्टाङ्ग प्रणाम करते हैं

आपका दासानुदास

आज्ञाकारी

गिरधारी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भरतपुर
ता: १३-११-४८

श्री बाबा महाराज के चरण कमलों में मेरा साष्टांग प्रणाम पहुंचे,

मैं अपने बारे में तो क्या लिखूं क्योंकि आप सब कुछ जानते हैं यह बात दूसरी है कि जो जानना न चाहें। मैं उम्मेद करता हूं कि आप सकुशल होंगे। मैं ने ६ चिट्ठी लिखी है और वे सब मेरे पास रखी हुई हैं क्यों कि शायद उनमें कोई अनुचित बात लिखी हो। मिलूंगा उस समय दूंगा।

सारांश यह है कि "अब दुख के दिन बीतत नाहीं"। मैं यह बहुत सोचता हूं कि हम सब संसार के जीव हैं और परम शक्ती के खिलौने हैं हम इसमें कुछ नहीं कर सकते क्यों कि शुभ और अशुभ दोनो साथ २ चलते हैं। शुभ यह था कि मैं मौत के मुंह में से जब कि मौत ने अपना मुंह बन्द कर लिया मुझे दांतों के बीच में दबा करके मगर आप के संकल्प ने मुझे उसमें से निकाल कर और बाकी बची हुई उम्र आप के दुख उठाने के लिये आज संसार में ले आये। ठीक है आपने मेरी स्त्री, और बच्चों के साथ वह उपकार किया, कि जिसको वे लोग अपनी आत्मा को इस आयु में भी आप की कृपा, आप के दासानुदास की भी सेवा करने पर नहीं उरिण हो सकते। और मैं इस तुच्छ बुद्धी के अनुसार आप के लिये एक भार हो गया। क्यों कि आप मेरी परिस्थिती खूब जानते हैं। मैं अपने बारे में कुछ लिखना नहीं चाहता परन्तु लेखनी अपने आप यह लिखवाना चाहती है क्यों कि हृदय यह कहता है कि आप सब समझते हैं और बुद्धी का ख्यान कहता है कि कहीं ऐसा न हो कि आप को मेरी इस परिस्थिती

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

को जान कर अति दुख महान हुआ इस लिये मेरी लेखनी चल रही है जिससे कि आप मेरा दुख उतना ही समझे जितना कि लिखा हो या थोड़ा बहुत ज्यादा।

मैं, आप के पास आना चाहता हूँ चाहे मेरा कुछ हो। क्यों कि पांच महीने से खान पान नहीं मिला है और महाराजा साहब ने बिलकुल मना करदिया है। जैसी आज्ञा। पत्र आने पर रवाना होजाऊंगा।-

आप का आज्ञाकारी
गिरधारी शरणसिंह

रानी साहिब व बिट्टी और चित्रा, आपके चरण कमलों में प्रणाम करते हैं —

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री। भरतपुर ता. २२-८-४७

श्रीमान्

अनन्तश्री पूज्यपाद बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दास के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों, सर्वतः कुशल मस्तु। पत्र मिला प्रसन्नता हुई यतः कई दिवस से आपका पत्र न आने की कारण भी बड़ी चिन्ता होरही थी और बार २ यही ख्याल होता था कि कहीं बाबा महाराज भी इस वातावरण से असन्तुष्ट हो छुपगये हैं क्या इत्यादि अनेकों विचार जाते दिन होते रहते थे। सौ. श्री ५ रानी सा. को मैंने समझा दिया है आप जैसा उचित समझें श्री गुरुदेव जी का पत्र इसी पत्र के साथ आया है वह आगामी अमावस्या तक आपके समीप आरहे हैं श्री बलानिमोध जी के यहां से अब अमरनाथ यात्रा की छुट्टी ८ प. स होगी १५ दिन बाद पत्र लिखूंगा क्योंकि अब का पत्र उन्हें नहीं मिलेगा। श्री धनेश जी मनोहर जी नाथ जी नन्द कु. जी चौ. दिनेश जी ने प्रणाम कहे हैं। श्री पं. मदन लाल जी ठेकेदार ने प्रणाम कहा है।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सो: श्री रानी साहिबा २ को (कुमार) आदि प्रणाम कहते हैं

श्री शीव प्रसाद जी को पत्र लिख रहा हूं

कृपया हिसाब पत्र शीघ्र २ देते रहिये

शेष कुशल है

श्री मता मन चाहे:

गोविन्द ।

पुनश्च —

एक समाचार मिला कि किसी बैंक वाले ने उन्हें ता. २०-७-४७ को अकाल आने के दूसरे दिवस प्रात: काल आगरे के ईदगाह स्टेशन पर लोकल कूल के डिब्बे में बैठे हुए देखा है इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि कहीं बीमार असल कंटक ही तो नहीं बचा रे यदि वहां का कुछ पता होतो लिखिये आपका उचित आज्ञा दीजिये/

निवेदन है कि अभी कटक जाने को इस समय बड़ी सुविधा है यतः एक मिलने वाले ने यह कहा है कि सैकिन्ड क्लास में आप मेरे साथ जहां चाहो चल सकते हो मेरे पास रेल्वे का पास है जैसी आज्ञा हो अतिशीघ्र उत्तर दें मुझे इनके साथ जाने में [illegible] [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अर्शोहर

निंबोली की गिरी	१ तो.
बकायन की गिरी	१ तो.
खुबानी की गिरी	१ ,,
बड़ी हरड़	२ ,,
छोटी हरड़	२ ,,
आंवला	२ ,,
प्रवाल भस्म	१ ,,
मुक्ताशुक्ति भस्म	१ ,,
मेंहदी के फूल सूखे	३ ,,

१ गो० प्रातः १ सायं जल के साथ या बकरी के दूध के साथ सेवन करें।

इन सबों को खरल में डालकर सात दिन तक जंगली गोभी के पत्तों के स्वरस में घोटें फिर सात दिन तक मेंहदी के पत्तों के स्वरस में घोटें फिर चने के बराबर गोलियां बांधकर सुखा ली जावें।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:।

श्रीमान्

पं॰ हरिदेव जी सादर जय शङ्कर। सर्वत: कुशलमस्तु आपका ता॰ ५-३-८६ का लिखा पत्र प्रथम सप्ताह मिला उत्तर में विलम्ब का कारण यह है कि यहां एक यज्ञ हो रहा है श्री पं॰ श्यामशरण जी शास्त्री के आग्रह से मुझे

क्षमा करना। पंचांग के बनाने के बारे में निवेदन है कि मैं तो श्री बदरी प्रसाद जी से केवल आपके पूर्व पत्रानुसार केवल तिथ्यादि ही जैसा कि आपने लिखा था भिजवा सकता हूं क्योंकि एक मनुष्य इतनी जल्दी अर्थात् आगे ... दोनों के ... करके भेज दे यह कठिन है श्री कृष्ण चन्द्र जी की बात तो आप जानते ही हैं कि उनका ... तो बनते नहीं हैं केवल देशान्तर संस्कार कि और सब शेष ... और न मालूम क्यों ... है दोनों ग्रहों का प्रश्न बड़ा कठिन है।

K.T.O

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भाग क्या करते हैं शायद अल्मोनिया जैसी ही कोई
के १०-२० वर्ष की इकट्ठी ग्रहों आती होगी
एक मनुष्य का यह कार्य नहीं है। डूसरे
बद्री प्रसादजी आपकी [illegible] कोकाल
चाहते हैं। आपको भेजे हुए जन्म पत्रादि नूतन गणित
से गणित करके भेजिये या पुरातन से लिखिये
यहां पुराने पंचांग तो नूतन गृहीतार्थ है नहीं
क्या किया जाय इसको मैं मांगा लिया जाना है
प्रतिकूल ग्रहों में [illegible] तिरस्कार किया जाय लिखिये
पुरोहितजी से अभी मिलना नहीं हुआ
मिलने पर जवाबी दूंगी। श्री कन्हैयालाल जी
शिव प्रसादजी के पत्र आये हैं उन्हें
सूचना नहीं मिली है अभी सेने [illegible]
अवन काशी के [illegible] नहीं [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] सम्मेलन [illegible]

निर्णय हो ।

[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री नन्द लाल जी चौबे [illegible]

पोर्ट [illegible] की [illegible] रिपोर्ट जैसी आप लिख रहे हैं

वैसी ही होगी अप्रैल मास की अगस्त की [illegible]

(लोगों) [illegible] की [illegible] रखा कि [illegible]

आप [illegible] सेवा देंगे [illegible]

GN

श्री पूज्य पाद बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दास

दास के कोटिश: प्रणाम निवेदन करना।

श्री बाबू केशव देव जी को सप्रीति [illegible] योग्य लगी

जय शंकर पृथक २ कर देना। और यह भी कहना कि

पं० तोताराम जी को यहां जो कुण्डली भेजी है उसका

उत्तर अवश्य [illegible] जल्दी भेजो। यहां से निबन्ध

ही भेज सकूंगा। श्री [illegible] जी को जय शंकर कहना

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री पं॰ मथुराप्रसादजी वौ॰ को डिप्टी डाइरेक्टर ने मुअत्तिल करादिया है। श्री गिरिराजशरणजी के पत्र में प्रणाम लिखने को लिखा है। श्री तिवारी जी के बालक को मोतीझला होगया था वे उसे लेकर हस्पताल दाखिल हैं अब कुछ शान्ति है, आशा है वे शीघ्र ही अब हस्पताल छोड़ देंगे। शेष कुशल है। मुझे धीरे२ स्वास्थ्य लाभ होरहा है, दक्षिण हाथ की मुष्टिका और दक्षिण पाद की मध्यमा में ही रोग शेष है और इन्हीं में विशेष बधा शेष सभी प्रङ्ग ठीक हैं। श्री विश्वम्भर सिंह जी सादर साष्टाङ्ग प्रणाम निवेदन करते हैं। श्री मास्टर मनोहर लाल जी गुप्त के प्रणाम स्वीकृत हों। श्री दुर्गादत्त जी यहां आये हुए हैं वे प्रणाम करते थे। जन्मपत्र प्राय: पूर्ण सा ही होगया है श्री ज्यो॰ जी ने लिखादिया है २-४ कागजों के न मिलने से कुछ शेष कल बाजार में कागज मिलने से न [illegible] पूर्ण हो॰

आयगा श्री मं॰ के आनन्द के पते पर भेज दूंगा।

कल व्यास पूर्णिमा है अत: उसके उपलक्ष में—

श्रीनाथादि गुरुत्रयं गणपतिं पीठत्रयं भैरवं
सिद्धौघं बटुकत्रयं पदयुगं दूतीक्रमं शाम्भवं।
वीरान् द्व्यष्ट चतुष्क षष्टि नवकं वीरावली पञ्चकं
श्रीमन्मालिनि मन्त्रराज सहितं वन्दे गुरोर्मण्डलम्॥ १

आप सहित समस्त गुरु मण्डल को कोटिश: प्रणाम हैं।

— ० ० ० —

विश्वं परं क्वापि चिदम्बरमम्ब क्वाचित्
आनन्दमेव क्वापि चित् क्वापि चिच्च माया
त्वं विश्व मातृ रूपो वयमाम नाम
साक्षादपार करुणो गुरुमूर्तिरेव।

श्री पं॰ वलजिन्नाथ जी को सादर सप्रेम जय शङ्कर कहें।

वारंवार कोटिश: प्रणाम है
कुशल पत्र दें। गोविन्द।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री: | चौबुर्जा - भरतपुर
७-७-६०

अनन्त श्री सर्वतन्त्र स्वतंत्र बाबा महारा-
ज पुनीत पादारविन्दों में दासानु-
दास गोविन्द के कोटिशः प्रणाम
स्वीकृत हों। सर्वतः कुशलम्।
इन दिनों कोई कुशल पत्र नहीं
आया सो दें। श्री जैनसा. आज
प्रातः यहां आगये हैं। श्री मनोहरलाल
जी नगर वालों का तबादला कर दी
ट्रेनिंग स्कूल में होगया है, वेतन में
भी वृद्धि होजायगी। इनके श्री चरणों
में प्रणाम स्वीकृत हों। सुना है कि —

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

महान्भाग ॥ श्री

चरणों में प्रा

प्रसाद मिला हूँ

ता १० ५-८ को शुक्रवार

आने की विचार किया

तो आप ही आने तक

की इच्छा ठीक है अ

कुशलता की पत्र आ

प्रतिदिन की

और भी आप

श्री ऊँ हरि

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहाँ काट कर खोलिये →

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

6/9/58

[illegible]

श्री जी ॥

POSTAGE

10 NP INDIA १० नपै

१० श्री. जयपाल छाबड़ा C/o [illegible] इंजीनि

[illegible] स्टेशन रोड भांडूप

पोस्ट भांडूप बम्बई नं. ७०

Bombay

← तीसरा मोड़ →

दूसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

POSTAGE 10 NP INDIA

29-8-

To

Shri Jai Pal Chhaba

c/o Alfai Engineering works

Station Road.

Bhandup

(Bombay No. 40

पहला मोड़

तीसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

From. Niranjan Lal Jain,

c/o Moti Bhai Lalu Bhai

Javeri

Rajendra Kunj, Kaukoo,

Mention Road No-4,

Surat City.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

શ્રી ગુરુભ્યાનમઃ સુરતસીટી

તા. ૨૯-૮-૫૮

શ્રીમાન સેઠ સા૦

— સાદર રંવ સપ્રેમ શુભઆશીષ.

આપ તથા શ્રી. બાબા મહારાજ સાનન્દ પૂર્વક પહુંચ ગયે હોગે - મગર કોઈ કુશલતાપત્ર તારફ તક ભરતપુર નહીં મિલા. મૈં સુરત આગયા હૂં કૃપાકર શ્રી. પૂજ્ય બાબા મહારાજ તથા આપકી કુશલતા કાપત્ર લિખેન કી કૃપા કરેં ઔર પૂજ્યનીય. બાબા મહારાજ કે ચરણોં મેં મેરા કોટિ કોટિ પ્રણામ નિવેદન કરદેવેં.

ભવદીય.

નિરંજનલાલ જૈન
ઠ૦ મોતીભાઈ લલ્લુભાઈ
ઝવેરી.
કાંજીની મેંદાન કંક્ર
મેન્શન રૂમ નં. ૪
સુરત

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

है वहां सब को हमारा ॐ शंकर कह देना —

आप कब तक ठहरोगे —

श्री गुलाब मुनीजी — तथा श्री किस्तूर मुनीजी

से मिला सब प्रकार आपकी कृपा है आनन्द [illegible]

बात होगई जो मिलने पर विस्तारित रूप से बता दूंगा

व्यापार भी ठीक है आप तनिक भी चिन्ता नहीं

करें वह सब के रे कर्मों के ऊपर छोड़ दो सब

आपके आशीर्वाद से आनन्द हो जावेगा — आप इस

की तनिक चिन्ता नहीं करें श्री जी का प्रबन्ध [illegible]

का लिए आपके स्वास्थ्य तथा पण्डितानी जी के स्वास्थ्य की

बराबर ध्यान रखकर — उपचार जारी रखें कुछ

खर्चे के लिये रुपयों की जरूरत हो तो भिजवा दूं

निःसंकोच लिख देना — मैं ने तो आप को अपने

हृदय में बसा रखा है — आप पर ही निर्भर

था — [illegible] की माया [illegible] — आप

ईश्वर तो [illegible] प्रणाम [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री

घाटकोपर
बम्बई नं० ३९
२४-१२-६०

सेवामें
श्रीमान् पण्डित जी के चरनों में मेरा प्रणाम स्वीकार हो -

आपका कृपा पत्र अभी मैं विचार करता ही था देहली से पत्र नहीं आया - इतने में ही प्राप्त हुआ - आप बड़े ही कृपालु चार भी जानने वाले हो - श्री० जी के अस्वस्थता की खबर जानके भी पढ़कर मन को चिन्ता हुई - वैसे तो वही होता है जो होना है - इच्छा है जो सेवा बन सके - आप भाग्यशाली हो हम को ऐसा अवसर मिला भी नहीं - उनके चरनों में अनेकों बार प्रणाम निवेदन करें मेरी ओर से निवेदन करना - मैं महा मूर्ख जड़ ही हूँ कोई बात मेरे परिवार - तथा मेरी ओर से ऐसी होगई हो तो क्षमा कर देवें क्योंकि वह तो बहुत ही दयालु हैं - उनके स्वास्थ्य के बारे में लिखते रहना कैसा चलता है - मैं ता० २१ १२/६० तक भरतपुर पहुँच जाऊंगा - अगर आप की राय हो तो मैं भी देहली आकर दर्शनों का लाभ ले सकूं - श्री० पण्डितानी जी को मेरा चरण छूना कहना - बाकी सब यहां पर आनन्द है।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री   सूरत १९/५८

परम पूज्य महाराज आदरणीय देवाधिदेव
॥ श्री जी ॥

चरनों में कोटि २ प्रणाम स्वीकार हो
आज ही ॥ श्री जी ॥ आप का कृपा पत्र मिला
प्रार्थना है कि इसी प्रकार सदैव कुशलता
से रहने की कृपा बनाये रखें
जबसे घर से चला हूँ तब से इस समय
तक पेट में दर्द मरोड़ और आँव जाता
है दवाई ले रहा हूँ कभी कम कभी ज्यादा
इसी प्रकार चलती रहती है ठीक हो जावेगी
यह कर्मों का भोग है इसी कारण अहमदा
बाद नहीं गया ता ९/५८ से पर्यूषण पर्व
शुरू हो जाते हैं विचार ऐसा है कि
तबियत ठीक नहीं हो पाई तो वापिस
भरतपुर चला जाऊँगा तबियत ठीक
होने से फिर विचार करूँगा।
आगे तो भगवान आप ही जाने।
कि बम्बई कब बुलाकर दर्शन दें
बम्बई कितने समय
कृपा कर जरूर लिखने की कृपा
आज ही आपके कृपा पत्र के साथ श्री
पं. जितजी का भी कृपा पत्र मिला है उन्हें
भी भरतपुर पत्र लिख रहा हूँ
वहाँ से सभी मण्डली ॥ श्री जी ॥ के चरनों
में प्रणाम अर्ज करती है दयालु दया
धार कर कुशलता का पत्र
इसी प्रकार लिखने की कृपा करें

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

करते रहें याहां योग्य सेवा हो तो लिखें

श्री जयपालजी को हमारा जैशंकर कहदीजिएगा। बड़ों से क्षमा चाहता हुआ प्रार्थना करता हूं कृपा कर पत्रोत्तर शीघ्र ही देकर कृपा बनाये रखें।

पापकारी जैन

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

POSTAGE INDIA 10 नए पैसे

सेवा में परम आदरणीय ।। श्री जी ।।
c/o श्री जयपाल छाबरा
अल्फा इन्जिनियरिंग वर्क्स
स्टेशन रोड भांडूप
पोस्ट भांडूप बाम्बई न०
Bombay No

पहला मोड़ — दूसरा मोड़ — तीसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-
N.C. Jain

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA 15 P

मुहाना, तसील
जिला भोपाल

← तीसरा मोड़ Third fold →

दूसरा मोड़ Second fold

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

2/4/9

इस पत्र के भीतर ... ए NO ENCLOSURES ALLOWED

cut here →

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

:प्राग

पत्रांक

कि

1-72 को 5

कुरानों में मगमा जारहा

प्रसन्नता है और यदि इनवात

कि मैं कुछ दिनों से रोग

डाक्टरोंने कुनैटीव्ह हार्ट बताया है विशेष

के तौरपर हृदयके ऊपरके वाम कोष्ठसे

कोष्ठ को रक्त जाने वाला जो ही है वह छोटा

या तंग होगया है जिससे 3-4 बार आक्रमण

होचुका है डाक्टरोंने बताया है कि आप

जिनमें पची ... का विवरण

है ... जावे किसीभी क्षण ... होने

... योग्य डाक्टर ... वैसे मैं

किंचित मात्र ... चीतनाहि हूं

... दायित्व

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पूर्ण कर [illegible]
हुआ हा [illegible]
कालश [illegible]
[illegible] बचपन [illegible]
बत [illegible] द्वार [illegible]
[illegible] जी के लो [illegible]
[illegible] का है केवल एक [illegible]
[illegible] ज जिसको [illegible] का वर्ष चल रहा है [illegible] गुरुजी
ने [illegible] समय में विशेष व्यक्तित्व [illegible] की
[illegible] जीवी [illegible] अधर में लटक रहा है
[illegible] ११ [illegible] वर्ष से [illegible] गया नाईका
[illegible] आज्ञानुसार। किया गया आठ में [illegible]
गुरुजी के [illegible] यज्ञोपवीत संस्कार १२ से [illegible] दिका
[illegible] वर्ष तक [illegible] जप संध्या वन्द [illegible] दि चलता
[illegible] परमी. थड [illegible] डीकने हुआ अतः [illegible]
ने लखनाही [illegible] होनेपर स्वेच्छिक प्रारम्भ केरब [illegible]
कोआ [illegible] कही घर [illegible]
लगा [illegible] केल पुनः [illegible]
[illegible] पड़ी [illegible]
[illegible] पर या [illegible]
नाई मिला अत [illegible]
है औपजा [illegible]
आपनैदिक [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पालकीपी
लावे श्रेया
चैत्रशुक्ल

नवम्यां रविवासरे ... ८-१४-२

... ३

श ०० ०० ८ २ १० १० १५ २९ २० २० २० ११ २० २ अवगाहे

... वाले गुरुका अन्तर २०२९ के ... से शुरू ...

जन्मलग्नम् चलितम् नवांशलग्न

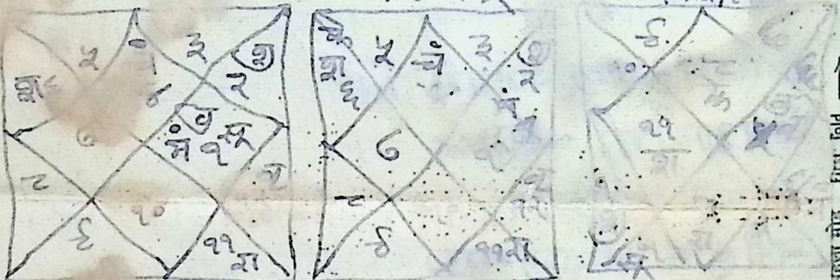

मैं पार... वाले छोटे भानजे श्री ... के दो ...
... गाली रही २६ उनको पटियाला गया था श्री ... हंसराज ...
में प्रार्थना ... के आया था कि श्री गुरु जी का आग...
... फेरी करदेना कि दर्शन मिलाकी ... कृपा हुई बनारस
अत: बाहर अकेला कम ही जाता हूं ... आवश्यकीय ...
... पहुंचकर ... पटियाला
... अत: ... लावे ...
अर्पित ... स्वीकार करें श्री ...

... आपका
... प्रयत्न
... कीरी कुरुक्षेत्र
... हो रहा है
... पालहोगया

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

दि. 16.12.58

श्रीमान् पं. श्रीलक्ष्मीधर शास्त्रीजी / — सादर प्रणाम। आपके दिये पत्र
दिनांक १० १२/५८ तथा ११ १२/५८ उनका यहाँ आने का
विवरण मिल गये। और एक पत्र श्री गगनानन्द शास्त्री
जी [illegible] हरिद्वार २४ परगना से भी आया है
उसमें लिखा है कि "शाक्त गुरु" हिन्दी में अब तक
भी [illegible] छपा नहीं है क्योंकि [illegible] [illegible]
की कठिनाइयाँ आती रही हैं। [illegible] "तान्त्रिक गुरु"
भी छपी, और छपाई के बारे में संकल्प लिया है
हमारे प्रकाशन [illegible] के मिलने पर यहाँ नहीं हैं, आने पर
आपको विशेष लिखा जायगा। इस प्रकार संकेत को
स्वामी गगनानन्द जी के आशय को [illegible] [illegible]
अनुवाद [illegible] [illegible] हुआ है [illegible] [illegible] में [illegible]
यह लिखा [illegible] हूँ कि श्री [illegible] [illegible] जी
महाराज कहाँ हैं। उनकी कि श्री [illegible] जी के आश्रम
भी कि [illegible] और मैं भी पूछूँगा — श्री जी को मेरा सादर
प्रणाम कह दें और अपनी [illegible] बताने का कष्ट करना।
मैं आपके [illegible] आने के बाद १४ ता० को उनकी सेवा में
पहुँचा तब उन्होंने श्री [illegible] [illegible] का नाम
बताया था। —

शेष कुशल है कृपा बनाये रखना।

आपका पुत्र

[illegible]
16/12/58

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

पहला मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

Dig Cantt

Bharatpur (Raj)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

5/4/61

प्रेषक का नाम और पता :- Sender's name and address

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dhabhika Samsthan, New Delhi

REF.................... Dated At Bharatpur the ....3/6/78 भरतपुर

प्रातःस्मरणीय श्री

अनन्त श्री श्रीजी के सुंदर पुष्प पादों में
दासानुदास को साष्टांग प्रणाम ज्ञात हो।

आपके जाने के बाद अभी आपके समाचार श्री पुरोहितजी को पत्र द्वारा प्राप्त हुए। पत्र पढ़कर खुशी हुयी कि आप का स्वास्थ्य वहां ठीक है। श्री रघुनन्दन जी का भी कोई कुशलता का पत्र भी नहीं आया, इससे चिन्ता बनी हुयी थी। लेकिन अब आपके कुशल समाचार आने से सभी प्रसन्न है। जयपुर से श्री [illegible] जी का पत्र आया था आपको प्रणाम लिखा है तथा [illegible] साथ में भी भेजे थे जिनके और हम पुनः आपको [illegible] भेज रहे हैं।

पूज्य श्री ताऊजी एवं गुरुमाताजी [illegible] आपको साष्टांग प्रणाम ज्ञात हो, श्री बनवारीलाल [illegible], श्री धर्मेश्वरजी आदि सभी का आपको जयशंकर ज्ञात हो, श्री हरलालजी गत रात्री को भरतपुर आये हैं आपको जयशंकर कहते हैं।

श्री पं. रविशंकरजी एवं उनके परिवार वालों को मेरा तथा यहां के सभी प्रेमीजनों का जयशंकर ज्ञात हो।

शेष सभी आपके आशीर्वाद से सकुशल हैं।

पत्रोत्तर शीघ्र दिलवाने की कृपा करें — दासानुदास
आपकी अति कृपा होगी — [illegible]
[illegible] — 3/6/78

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री दुर्गादत्त जी के पत्र से मालूम हुआ है कि श्री सियाराम जी कलकत्ता गये हुए थे

आशाकुमार
उपेन्द्र
3/6/78

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

२०-१०-५८

श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः

परम पूज्य श्री गुरुजी

सेवक की कोटिशः प्रणाम

आज पत्र श्री गोविन्द जी का मिला जिसमे आपकी उपस्थिति का ~~मि~~ पता चला महान प्रसन्नता है कि आपने अपने आदेश से ही ऐसा लिखने को कहा होगा नही तो आप अपनी उपस्थिति के बारे मे ~~सक~~ संकेत करने पर भी प्रतिबन्ध लगाये रखते है मैं वृन्दावन जाते आपके दर्शनों का लाभ पा चुका हु और प्रार्थना भी कर गया था कि इस वर्ष अवश्य यहां पधार कर कुछ दिन सेवा का मौका देंगे सो आशा लगाये हु अवश्य इस अकिंचन को भी कृतार्थ करियेगा

महान हर्ष होगा

आपका अबोध सेवक

वैद्य प्रेमानन्द शर्मा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

२१-१०-५८

श्री जगज्जनन्यै नमः

आदरणीय भ्रातृवर श्री गोविन्द जी

पत्र मिला दो लफ्ज़ भी

जब कभी समय हुआ लिखूंगा

श्री पूज्यपाद जी आपके सौभाग्य से आपके यहां है इसकी महान प्रसन्नता है इस अकिंचन को भी कृतार्थ करेंगे ऐसी भावना लिये हूँ हां तो एक आपसे निवेदन कर रहा हूं कि श्री स्वाध्याय का सम्पादन अवश्य करने का मार्ग निकालें क्यूंकि इससे हमको श्री पूज्यपाद जी के द्वारा प्रसाद रूपमें जो कभी कभी आध्यात्मिक उपदेश मिलते थे उनसे वंचित होगये वह मिलते रहने चाहियें इसके सम्बन्ध में क्या स्थिति है कृपया अवगत करायें क्या विंशती का शास्त्र छपगया है तो उसकी प्रति और रश्मालोक की १ प्रति और कोई देखने योग्य। विचारणीय ग्रंथ

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

गीता का अनुशीलन भी करता रहता हूं
तथा श्रीमद्भागवत का भी
योगदर्शन का भी परन्तु इन सब के देखने
से कहीं कहीं इतनी उलझने सी
उठ खड़ी होती हैं (अर्थात् भ्रान्तियें
होने लगती हैं पूर्ण लक्ष्य के प्रति वेशक
आत्मविलास ही (सुगम प्रकाश डालता है
इसको भी समझने के लिये किसी प्रारम्भिक
ग्रन्थ देखने की आवश्यकता है वह कौन
सा ग्रंथ है कृपया गुरु जी से प्रार्थना
पूर्वक मेरा निवेदन करना कि कौन कौन से
ग्रंथ देखने चाहियें मंगा सकूं// शैवदर्शन
भी एक बार श्री गुरु जी कहते थे वह कठिन
होगा क्या हिन्दि टीका युक्त कहीं मिलेगा
अथवा और जो श्री जी की आज्ञा हो देखूं
श्री जी ने मुझे ज्ञानेश्वरी को लिये भी कहा था
वह मैंने मंगाली है तीलक गीता भी कुछ
स्वामी रामतीर्थ की पुस्तकें भी उनमें भी
अलौकिकता देखी जो आपके पूज्य चरणों
के उपदेशों से ही मिलती जुलती है
आजकल मैं वैसे तो रोगीयों के वातावरण में
घिरा चला आरहा हूं फीर भी पूज्य चरणोपदेश

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

GRAMS: "LAKHOJI"

DR. R. C. GUPTA & Co.
DIRECT IMPORTERS & EXPORTERS
AND
COMMISSION AGENTS
BHARATPUR

Ref. No. .... *Date* ....

To
....
....
....

श्रीमान्

अनन्त श्री पूज्य पाद बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दास की कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हो एक लिफाफा 3-4 दिन पूर्व सेवा में भेज चुका हूं जिसमें श्री जैराम जी का पत्र भी था पँहुच लिखियेगा आज श्री कस्तूरी लाल जी का पत्र आया है साथ में भेज रहा हूं श्री शिव प्रसाद जी का पत्र भी भेज रहा हूं श्री जैराम जी तथा शिव प्रसाद जी दोनों के रुपये मिल गये हैं श्री रुद्र 25 श्लोक के छपने का प्रबन्ध हुआ या नहीं। अदे की [illegible] विचार जल्दी से जल्दी कर रहा हूं आपका [illegible] पधारने का विचार है श्री बाबू जी श्री माता जी चि. जगदीश हरी सावित्री प्रभृति सब को जय श्रीकृष्ण श्री हरदेव जी ने पहले पत्रों में लिखी हुई बातों का उत्तर नहीं दिया जैसा कि जिन दिनों इनका पत्र आया था (जो हमें नहीं मिला) उन दिनों लड़की को टैफैड हुई थी या क्या किसी बीमारी ने आक्रमण किया है लड़की से पूछ आया भी किन्तु कोई पता नहीं चलता श्री पुरोहित जी ने 5-7-10 दिन बाद देने को कहा है ता. 8 को वह गाजीपुर जा रहे हैं वहां से आकर भेजेंगे कृपया अच्छा हो कि श्री हरदेव जी एक पत्र पहले अपना उनको अपनी आवश्यकता प्रकट करते हुए लिखें आज एक पत्र [illegible] [illegible] का भी आया है इन्होंने अपने [illegible] की [illegible] लिखे [illegible] लिखते हैं /[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पड्डित श्री हरदेव जी श्री कुमारी श्री लक्ष्मी श्री [illegible]
आदि को मातृप्रणाम भी कहना ।

आपका [illegible] राज
गोविन्द

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

(۷)

پریم سنگھ جی -

مجھے - میں آپ کے پاس کئی دن پہلے آیا تھا ایک آدمی کی

تلاش کے لئے - اور میں نے سوامی جی مہاراج کو خط کا جواب

مانگا تھا - پر ... نہیں ملا کہ کوئی خط نہیں ہے - جواب ایک

تھا سوامی جی کا لیٹر ... تھی مجھے اس کا جواب ملا تھی ...

اس کی ٹھیک میرے سمجھنا تھا - اب سوامی جی مجھ کو لیٹر یہ کر بھیجیں

کہ ... اگر کوئی آدمی وہاں سے

پاس آیا ہو یا ... اس آدمی کو ...

سمجھے دو - اور اگر نہ آیا - اور پھر آئے کہ آدمی تو اس کی

اس پتہ پر بھیج دیں = لال سنگھ معرفت

گلاب سنگھ مسگر جی -

موہن لال کی دھرم شالہ

رشی کیش -

بھگوان آشرم کے نزدیک

30/8/51

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

پیارے ستیہ جی -

نمستے - میں آپ کے پاس کافی دن پہلے آیا تھا ایک آدمی کی

تلاش کے لئے - اور میں نے سوامی جی مہاراج سے [illegible]

مانگا تھا - پر انہوں نے بتایا تھا کہ کوئی غلطی نہیں ہے - بقول ایک

تھا سو [illegible] بتایا تھا مجھے اس جگہ ملی تھی [illegible]

اس جگہ پر [illegible] تھا - اب سوامی جی مجھ کو پیارا [illegible]

کہ [illegible] پر مل جاوے [illegible] - اگر کوئی آدمی وہاں [illegible]

پاس آ جاوے - اس آدمی سے [illegible] کہہ دو [illegible]

سمجھا دو - اور اگر نہ آیا - اور پھر آگے آوے تو اس کی

اس پتہ پر بھیج دیں = [illegible] سنگھ معرفت

آپ کا [illegible] سنگھ [illegible]

[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

3/8/47

سیٹھ چرنداس

ہری ہر آشرم

کنکھل

स० चरणदास

हरि हर आश्रम

कनखल

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

स्तमूणता मम मंदभाग्यत्वादेव । यदि [illegible]
बाधा [illegible] तदा श्री चरणे [illegible]
पृथिवी की [illegible] भूखंड [illegible]
प्रभो ! यद्यपि पापकूपपाऽ [illegible]
मधुरवाक्यैः पुनः शुद्ध बोधितोऽयं जनः
तथापि माधुनाऽपि [illegible] वचनैः
त्रिविधतापैर्मो रक्षणीयः ।

[illegible] के हैं वचो [illegible]
फिर कैसे हमें तुम भोगोगी मां
हम छोड़ेंगे चरण तुम्हारे नहीं
फिर कब लो नांव [illegible] पार उतारोगी मां

विनीत [illegible]

प्रेम की दासी,

नन्दकिशोर वै.

श्री शास्त्री जी बिरखांगढ़

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ ज्वालामुखी

[illegible] ओं। [illegible] श्रावण मास २०१८

श्रीसन्माननीय परमादरणीय परमपूज्य
श्री आचार्य चरणेषु दास मन्दिर कोटि
कृतो नतय स्वीक्रियन्ताम्। श्रीमन्त
तत्रभवतां भवतामनुग्रहेण सानन्द मीहेच
चिराधिगतं भवत्कर कमलाङ्कितं
दलम्। श्रीपूज्य पं. गोविन्द शास्त्रिणां पत्रादि
न भवत्कं ग्रुदन्तं ज्ञायेत। नजाने
कस्मात्कारणात् — विस्मृतिपथं नीतोऽयं
जनः। प्रायश्चीना एव कांचन उपयः सन्ति
इति मन्ये। परं मया तु तत्पादारविन्द
श्रीचरणावलम्बनं कृतम्। अदीयं प्रार्थ-
ना (श्रीतुलसीदासपूज्यस्य) "अति प्रपन्न
रघुपुंगव निर्भरां मे कामादि दोषरहितं
कुरु मानसं च"। न जाने कथं श्रीभद्रैः
"सकृदेव प्रपन्नाय तवास्मीति च याचते।
अभयं सर्वभूतेभ्यो ददाम्येतद् व्रतं मम॥"
इति विस्मृतम्। कीदृशो व्यवहार वर्त-
ते श्रीमताम्। प्रतीक्षे सत -आवकी

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER
INDIA 10

श्री ५ पं
c/o Raj Kumar Aggarwal
539 Shri Niwas Puri
Ring Road
New Delhi. No 14

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिए

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

पं. आचार्य
ज्वालामुखी
ज़िला कांगड़ा

← तीसरा मोड़ Third fold →

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

श्री. जी

c/o

Rajkumar Aggarwal

539 Shri Niwas Puri

Ring Road

New Delhi No 14

तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

ज्वालामुखी

पो. कांगड़ा

इस पत्र के अन्दर ...

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ भरतपुर ॥ ॥ श्री रामजी ॥ ॥ मोहल्ला ...जार बाग ॥

॥ ॐ ॥ ॥ ता: ११ – ८ – ८६ – ॥

॥ सेवामें ॥

श्रीमान पूज्य पाद श्री बाबा महाराज को।

चरण कमलों मैं मेरी बहोत २ डनडोत मालुम हो। आगे यहाँ पर सब राजी खुसी है। आपकी राजी खुसी श्री परमात्मा से हरदेम सुभ चाहती हुं। प्रेम पत्र आपका मीला पढ़कर कुच्छ शान्ती। मीरी आगे तीनो बच्चे आपकी सेवामें बहोत २ डनडोत अर्ज करते हैं। श्री १०५ मान रामजी महाराज का अभी तक कोई पता नहि लगा है। बाप रामजी महाराज की ये आदत खराब थी और उन की आदत भी खराब थी। किया अब कुच्छ बाकी नहि रहि है। आप ही बतलाओ और हम कहाँ जाय कीसे पुच्छे प: गोविन्द जी को पुच्छते है तो वे कुच्छ जबाब नहि देते हैं। अब बाबा महाराज हम तो आपकी शरण मैं है। हमारी पार तो बाप आपहि लगाओगे। अब हम कहाँ जायें। हम तो भरतपुर में पनडीत जी के सिबाय और कीसी को नहि जाने वेभी कुच्छ बताते नहि हैं। तो बतलाओ अगर आपको नहि पुच्छें तो हम कीसे पुच्छें। बाप कोई कहता है कि रामजी महाराज बाबाजी होगये हैं। कोई कहता हैं। कि कीसीने मरबा दिये हैं। ऐसी ऐसी बात सुनाई पडती हैं। अब बतलाओ बाप हम किया करे हमारे लीये दुनियां मैं कहीं भी जगह नहि है। बाप अब

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

आप सब गलतीयों को क्षमा कर के और आप बताओं के श्रीमान ग्रनजी साहब की कोन सी ग्रीह खराब है। फेर कियाँ इसका उपाय है। हम तो आप के ई जानतें हैं। नाथ फीकर चिन्ता के मारे कुच्छ नहीं सुजता है। फीकर ईतनी बढ़ गई है। की कुच्छ कह नहीं सकती हूँ। मगर कियाँ करू नाथ आप का सहारा है। आपई सब दुःखों को दूर करें गे। और नाथ अब मैं कियाँ करू कहाँ जाँऊ मेरी जीन्दगी नाथ अब बहोत खराब है। ईन बच्चों का दुःख अब नहीं देखा जाता है। अब नाथ हमारी पार तो आप ही लगाओं गे और अब हम कहाँ जाँय अब दुःख नहीं सहा जाता है। नाथ आप एक दफ तो भरतपूर आने की क्रिपा करो आप एक दफ तो जरूर भरतपूर पधारें मेरी ये ईच्छा बहोत है। अब नाथ खानपान बन्द हो चुका है। बन्द भी श्रीमान का तिकट चुका है। और कोठी पर अब कोरट होने वाली है। अब नाथ किया करें कहाँ जाय दुनियाँ में। बिना आपके कोई सहारा नहीं है। आप ही अब टूटी हुई नाँव को पार लगावेंगें। नाथ मैं अब दुःख की कियाँ कहूँ। नाथ मेरी तो अब जिन्दगी खराब है। मैं कहाँ जाँऊ किया करू अब ये दुःख नहीं सहा जाता है। आप ही ईस को पार लगावेंगें और एक दफ भरतपूर जरूर पधार ने की कोशीश करें। और ज्यादा किया लीखु थोड़े को ज्यादा समझ ना गलती को माफ करना जी।

पत्र का जबाब जरूर देना जी

नाथ जबाब जरूर ही देना जी।

आपकी बेटी
सतनाम कुमारी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:

पुलिस थाना
गढ़ीबाजना
पोस्ट कोट डिग
भरतपुर (राज)
14-10-80

अनन्त श्री विभूषित श्री बाबा महाराज के पुनीत चरण कमलों में मेरा साष्टांग प्रणाम पहुँचे। आशा है श्री चरण स्वस्थ होंगे। मैं यहाँ श्री चरणों की कृपा से कुशल हूँ।

गत दिनांक 3-10-80 को मैं भरतपुर गया था। श्री पंडित जी महाराज, माँ जी, चि० धर्मेन्द्र, चि० श्रीराम, आदि सभी ने श्री चरणों में प्रणाम निवेदन कराने लिखने का मुझे श्री पंडित जी महाराज ने आदेश दिया है। पंडित जी के पेशाब में रुकावट चल रही है बाकी स्वास्थ्य अपेक्षाकृत ठीक है। एवं श्री चरणों की कुशलता जाननी चाही है। अतः कुशलता से अवगत कराने की अनुकम्पा करें। तथा श्री चरणों की कृपा सो अपार निरन्तर बनती रहे व अनवरत बरसती रहे ऐसा अनुग्रह पूर्ण आशीर्वाद मुझ दीन हीन दासानुदास को कृपा कर देते भी कृपा करें। आदरणीया माँ जी सेवाराम जी व श्री चरणों के अन्य प्रेमी भक्तों को मेरा करबद्ध प्रणाम पहुँचे।

कुशल पत्र अवश्य देने की कृपा करें।
दास गोपाल अग्रवाल

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत 25 INDIA 25

प्रेषक–
भिक्षु अमरसिंह
M.E.
पुलिस थाना गढ़ी...
जिला भरतपुर
(राज०)

श्री श्री श्री प० श्री सीतारामजी
B. 66 मोतीबाग साउथ
नं० 2 नई दिल्ली

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

भिक्षु अमरसिंह

पिन PIN

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भरतपुर

श्री

२६-१२-६०

श्रीमान् पण्डित जी के चरणों में प्रणाम स्वी-
कार हो - मैं भरतपुर ता २५ १२/६० अनन्त को
आगया था - यहां सब प्रकार कुशलता
है - आप चिन्ता मत करना कल S.N. माथुर
से मिलूंगा - घर पर माजी को जाकर
मिल लिया सब ठीक है - श्री बाबूलाल
जी को कल ही [illegible] जी को [illegible]
लेकर मिल आया - अब तबियत ठीक
है - आज कुम्हेर चले गये है - [illegible]
ना आना [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] है - मैं कल उनके [illegible]
S.N. माथुर के पास जाऊंगा -
श्री मुनी जी बाबूलाल जी के बारे में
जरूर तब कुछ नरम गर्म ही बताया
है लेकिन ठीक हो जायेंगी चिन्ता

[illegible] इतना - जो कुछ आज्ञा हो
मैं भिजवा दूं - लिफाफा जैसा
ही देना ठीक रहेगा —

श्री गोपाल शरण जी
को प्रणाम लिखना —
तथा लिखना वह [illegible] हुआ
श्री [illegible] [illegible]!
पांच [illegible] [illegible] तो
[illegible] [illegible] [illegible] जो
S॥ S॥ S।
लेते आना — [illegible] [illegible]
लिखना [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] — [illegible]
रखना [illegible] [illegible] पर [illegible]
भी देना —

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

नहीं – श्री· बाबा महाराजजी का स्वास्थ्य
कैसा है – मेरी ओर से प्रणाम करना
श्री· पण्डितानी जी को हमारा चरण
छूना कहना क्या उनका इलाज है
तथा तबियत का क्या हाल है सो
लिखना श्री भगवान् उनको आरोग्य (?)
प्रदान करें – आप भी अपने स्वा-
स्थ्य का ध्यान रखना – श्री· राजेन्द्र
जी द्विवेदी (?) का पत्र पोस्ट द्वारा
अलका इन्जीनियरिंग वर्क्स
भाण्डुप
बम्बई ८०
के पते पर पोस्ट से भेजा है –
पहुंचा या नहीं पर आपका पत्र
नहीं आ सका तबियत मेरी अच्छी
नहीं – कृपा करना – श्री· [illegible]
[illegible] १०३) का [illegible] है

पत्र मदतक (?) मिला। और पर मैं रुपया
१००) प्रत्येक पत्र पढ़ते ही उन्हें देकर
रसीद (?) भिजवा दूंगा एवं केवल तीन रुपया
रह जाते हैं – अगर आज्ञा हो तो फौरन
मनी आर्डर बना दिया जावे अन्यथा
फिर कुछ आने पर भिजवा दूंगा
जैसा उचित समझें लिखना –
वहाँ के समाचार भागवत प्रसाद जी
बताया जी· प्रकाश जी [illegible]
प्रणाम कहते हैं – तथा श्री· जी को
मेरी ओर से प्रणाम कहना
आप का प्रेम नाम क्या है – क्या मैं [illegible]
राम जी के आनन्द [illegible]
है लेकिन [illegible] होगा आप
पहिले श्री· पण्डितानी जी का इलाज
करादें · तथा अपने स्वास्थ्य [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

कोई इतना — अगर कुछ छपा है
तो भिजवा दूं - लिखियेगा जैसा
हो वैसा कर सकूं —

श्री गोपालकृष्ण शास्त्री जी
को प्रणाम लिखना —
तथा लिखना वह वेद कृपा
भी इधर बनाये रखें।
— यह लघु बनावें तो
अगर लिखित बढ़िया मिल जाये
ऽ।।   ऽ।।   ऽ।
देते — पाठ — बता दया रहे (
लिखना नहीं हो और छितेरे
मिलता है —— तथा इधर इधर
रहना इतनी यात्री पर ध्यान
भी देना ——

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri